सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 257 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 30 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व जीएम अशोक चतुर्वेदी गिरफ्तार, भ्रष्टाचार के कई मामले हैं दर्ज

रायपुर। पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व जीएम अशोक चतुर्वेदी को एसीबी ईओडब्ल्यू की टीम ने गिरफ्तार किया है। खबरों के अनुसार एसीबी ईओडब्ल्यू की टीम ने पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व जीएम चतुर्वेदी को देर रात आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले से गिरफ्तार किया है। बतादें कि अशोक चतुर्वेदी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार के कई मामले दर्ज हैं। कोर्ट में जमानत खारिज होने के बाद से फरार चल रहे थे। एसीबी की टीम उन्हें गिरफ्तार कर आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले से रायपुर के लिए लेकर निकल चुकी है।

छत्तीसगढ़ में बारिश पर ब्रेक : 6 डिग्री तक बढ़ा तापमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 3 से 4 दिन तक झमाझम बारिश के बाद अब बारिश थम सी गई है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में कम बारिश हुई है और अब तापमान बढ़ने का सिलसिला शुरू हो गया है। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा के मुताबिक तापमान में 6 डिग्री तक की बढ़ोत्तरी हुई है और आने वाले दिनों में तापमान 4 डिग्री तक बढ़ने की संभावना है।

राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में आज सुबह से बादल छाए हुए हैं। लेकिन बारिश की संभावना कम ही है। मौसम विभाग के मुताबिक आज धूप-छांव की स्थिति बनी रहेगी। बारिश की संभावना बिल्कुल कम रहेगी।

यह है तापमान का गणित

28 जून को जांजगीर जिले में तापमान 29.9 डिग्री था जो 29 जून को बढ़कर 35.8 डिग्री चला गया। इसी तरह राजधानी रायपुर का तापमान 28 जून को 28.2 डिग्री था। जो अगले दिन बढ़कर 33.2 डिग्री पर पहुंच गया। रायगढ़ में 28 जून को 30.5 डिग्री और 29 जून को 34.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इसी तरह जशपुर जिले में तापमान 26.4 डिग्री था, वो बढ़कर 31.9 डिग्री तक पहुंच गया। कांकेर जिले में भी जो तापमान 27.8 डिग्री था, वो बढ़कर 32.3 डिग्री तक चला गया है।

छत्तीसगढ़ की सड़कों पर लगा एएनपीआर सिस्टम, बिना टैक्स व फिटनेस के वाहन चलाने पर कटेगा ऑटोमेटिक ई-चालान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार अब बिना फिटनेस, टैक्स और बिना दस्तावेज के चलने वाले वाहनों पर सख्ती करने की तैयारी में हैं। प्रदेश के विभिन्न मार्ग में अब एएनपीआर ई-डिटेक्शन सिस्टम शुरू करने की तैयारी पूर्ण कर ली गई है, जिससे कि बिना फिटनेस और बिना टैक्स वाले वाहनों के सड़को से गुजरने पर ऑटोमैटिक चालान होगा। अब जल्द ही इसका उद्घाटन किया जाएगा।

राज्य के विभिन्न मार्ग में तैयार हुआ एएनपीआर सिस्टम, जल्द होगा शुभारंभ

मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल की मंशा अनुरूप तथा परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश में परिवहन सुविधाओं का सुचारू रूप से क्रियान्वयन हो रहा हैं। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में होने वाले मृत्यु के आँकड़ो को देख कर प्रदेश में रोड एक्सीडेंट कम करने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिये थे । सड़क दुर्घटना का एक प्रमुख कारण बिना फ़िटनेस के चलने वाले हैवी गाड़िया है । अनफ्टि गाड़ियो से होने वाली सड़क दुर्घटना कम करने के लिए प्रदेश में परिवहन विभाग की पहल पर विभिन्न मार्ग में एएनपीआर कैमरा लगाये जा रहे है , जो बिना फ़्टिनेस और टैक्स के चलने वाले वाहनों को डिटेक्ट कर ऑटोमैटिक चालानी कार्यवाही करेगा।

परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में विभिन्न मार्ग पर चलने वाले ऐसे वाहनों का पता लगाने के लिए पहले चरण में 09 जगहों पर एएनपीआर कैमरा लगाया है जो परिवहन विभाग के वाहन सॉफ्टवयेर और ई डिटेक्शन सिस्टम से जुड़ा हुआ है। परिवहन आयुक्त दीपांशु काबरा द्वारा वाहन स्वामियों से अपील की गई है कि वे फ़्टिनेस, टैक्स, बीमा और पीयूसी के जुर्माने से बचने के लिए वाहन के दस्तावेज अप-टू-डेट रखें।

परिवहन सचिव ने की वाहन चालकों से अपील

परिवहन सचिव एस प्रकाश द्वारा वाहन मालिकों से अपील की गई है कि सड़क में वाहन चलाने से पहले गाड़ी के समूर्ण आवश्यक दस्तावेज को अप-टू-डेट करा ले। सभी दस्तावेज पूर्ण होना स्वय और सड़क में चलने वाले अन्य सभी लोगो के सुरक्षा के लिये आवश्यक है। सड़क सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट की समिति (एससीसीओआरएस) की सिफारिश के बाद सरकार ने ई डिटेक्शन के क्रियान्वयन का नीतिगत निर्णय लिया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट समिति के सचिव संजय मित्तल ने कुछ जिलों का दौरा किया था और राज्य में सड़क हादसों को कम करने के लिए शुरू किए गए सुधारात्मक उपायों की समीक्षा की थी। उन्होंने बिना फिटनेस और इंश्योरेंस के चल रहे वाहनों पर लगाम लगाने के लिए निर्देश दिये थे।

ज्ञात हो कि किसी वाहन को सड़क पर चलाने के लिए टैक्स पटाना , पंजीकरण प्रमाण पत्र, फ़्टिनेस प्रमाण पत्र, परमिट (यदि परिवहन वाहन है तो), बीमा और सभी वाहनों के लिए प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) जैसे वैध दस्तावेज होने अनिवार्य है तथा सभी वाहन चालकों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है। पर्सनल वाहनों के लिए फ़्टिनेस और परमिट की आवश्यकता नहीं होती है। नमूना आंकड़ों के अनुसार, यह देखा गया है कि बहुत से वाहन बिना वैध दस्तावेजों के चल रहे हैं। खासतौर से हेवी माल यान जिसमें फ़्टिनेस अनिवार्य है, ऐसे वाहन भी बिना फ़्टिनेस और बिना टैक्स के चलते पाये जाते है। ऐसे वाहनो से सड़क दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है और इंश्योरेंस क्लेम में भी समस्या उत्पन्न होती है।

ऐसे काम करता है एएनपीआर सिस्टम

इस सिस्टम गाड़ियों की जानकारी को ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रेकग्निशन (एएनपीआर) कैमरा के माध्यम से जानकारी प्राप्त किया जाएगा और जब कोई वाहन रोड से गुजरेगा तो उसकी तस्वीरें ली जाएंगी। जिस वाहन के पास कानूनी रूप से आवश्यक वैध दस्तावेज नहीं होंगे उसका रिकॉर्ड वाहन के डेटाबेस से प्राप्त कर लिया जाएगा और ई-डिटेक्शन पोर्टल द्वारा स्वचालित रूप से चालान किया जाएगा। चालान एसएमएस के माध्यम से वाहन स्वामी के मोबाइल में भेज दिया जाएगा और जब तक वाहन स्वामी के द्वारा उस चालान का भुगतान नहीं कर दिया जायेगा तब तक उस गाड़ी से संबंधित समस्त कार्य सभी आरटीओ में प्रतिबंधित रहेंगे।

पहले चरण में यहां लगा है एएनपीआर ई डिटेक्शन सिस्टम

महासमुंद बसना पदमपुर रोड , सराईपाली सारंगगढ़ रोड, जयराम नगर मस्तूरी रोड, रायपुर अभनपुर भरेंगाभाटा,पत्थल गाँव अंबिकापुर रोड ,डोंगरगढ़ राजनांदगांव रोड,रायगढ़ तेंदुवाभाटा,रायगढ़ सरिया, नगरी रोड। इसके बाद खनन और औद्योगिक क्षेत्रों से भी एएनपीआर कैमरे के मदद से डेटा एकत्र करने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है और जल्द ही इन जगहों से गुजरने वाली गाड़ियो का रिकॉर्ड भी एएनपीआर सिस्टम के माध्यम से परिवहन विभाग को प्राप्त होने लगेगा।

छत्तीसगढ़ की तैराक अल्योशा ने राष्ट्रीय जनजातीय खेल महोत्सव में जीते दो पदक

■ **मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दी बधाई और शुभकामनाएं**

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज यहां उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ की उभरती युवा तैराक अल्योशा कुंजाम ने सौजन्य मुलाकात की। अल्योशा ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में प्रथम बार आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय खेल महोत्सव में तैराकी की दो स्पर्धाओं में दो पदक जीते हैं। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान अल्योशा ने उन्हें अपनी इस उपलब्धि की जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने जनजातीय खेल महोत्सव में 50 मीटर फ्री स्टाईल में सिल्वर मेडल और 100 मीटर फ्री स्टाईल में ब्रान्ज मेडल जीते हैं। मुख्यमंत्री ने अल्योशा को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्योशा ने अपनी उपलब्धियों से छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। अल्योशा कुंजाम राजधानी रायपुर के राजकुमार कॉलेज में कक्षा 12वीं की छात्रा हैं। राष्ट्रीय जनजातीय खेल महोत्सव का आयोजन भुवनेश्वर में 9 से 12 जून 2023 तक किया गया।

रायपुर में पीएम नरेंद्र मोदी की पत्नी जशोदाबेन: गायत्री मंदिर में की पूजा-अर्चना, सामाजिक लोगों से भी की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पीएम नरेंद्र मोदी की पत्नी जशोदाबेन रायपुर पहुंची। यहां के शंकर नगर स्थित गायत्री नगर मंदिर में पूजा-अर्चना की। रायपुर के अन्य मंदिरों में भी पूजा की। उनके दौरे को मीडिया से गुप्त रखा गया। यहां तक की जशोदाबेन ने मीडिया से खुद दूरी बनाए रखीं। मंदिरों में पूजा अर्चना करने के बाद वापस पुरी लौट गईं।

जशोदाबेन के साथ गुजरात की कुछ सामाजिक कार्यकर्ता महिलाएं भी उपस्थित थीं। इस दौरान बीजेपी नेता रविंद्र सिंह ने उनसे मुलाकात की। कई नेता और कुछ सामाजिक लोगों ने भी उनसे मुलाकात की। बताया जाता है कि इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने फोन कर जशोदाबेन से उनका कुशलक्षेम पूछा।

जशोदाबेन राजधानी के संतोषी नगर के साहू समाज के भवन में एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। इसके बाद साहू समाज के कुछ पदाधिकारियों से मुलाकात की। बताया जाता है कि वो ओडिशा से रायपुर पहुंची थीं। इसके पूर्व उन्होंने ओडिशा में भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए।

हाल ही में उन्हें उज्जैन में बाबा महाकाल के मंदिर में दर्शन करते देखा गया था। इस दौरान की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुईं थीं। वो लगातार देश के प्रसिद्ध मंदिरों में पूजा-अर्चना कर रही हैं।

युवाओं के खातों में पहुंची बेरोजगारी भत्ते की तीसरी किश्त

■ **सीएम भूपेश बघेल ने ऑनलाइन किया ट्रांसफर**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 1 लाख 16 हजार 737 युवाओं के खाते में बेरोजगारी भत्ते की तीसरी किश्त के रूप में 31 करोड़ 69 लाख 60 हजार रुपए की राशि ऑनलाईन अंतरित की। इसी प्रकार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत 49 हजार से अधिक हितग्राहियों को 151 करोड़ रुपए की राशि भी जारी की है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम में युवाओं को रोजगार हेतु ऑफर लेटर प्रदान किया। कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, विधायक रामपुकार सिंह, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला,सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रसन्ना आर भी उपस्थित रहे।

भूपेश बघेल शुक्रवार को बेरोजगारी भत्ते की तीसरी किश्त के रूप में 31 करोड़ 69 लाख रुपए की राशि ट्रांसफर की। 1 लाख 16 हजार 737 युवाओं को 31 करोड़ 69 लाख 60 हजार रुपए की राशि की तीसरी किश्त वितरित की गई। पिछले महीने 1 लाख 5 हजार 586 हितग्राहियों को बेरोजगारी भत्ता दिया गया था। इस तरह इस महीने हितग्राहियों की संख्या में 11 हजार 151 की वृद्धि हुई है। बेरोजगारी भत्ता अप्रैल और मई महीने में दिया जा चुका है। शुक्रवार को अंतरित की जाने वाली तीसरी किश्त को शामिल करें तो युवाओं के खाते में तीन महीनों में शासन द्वारा किया गया व्यय 80 करोड़ 64 लाख 25 हजार रुपए होगा। शासन द्वारा बेरोजगारी भत्ते के हितग्राहियों को कौशल प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। विभिन्न संस्थाओं में बेरोजगारी भत्ता प्राप्त कर रहे 3318 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा 2916 युवाओं का प्रशिक्षण शीघ्र ही आरंभ होगा।

कांकेर में नदी पार करते समय नाव पलटी बह गया 2 लाख रुपए का किराना समान

■ **नाव सवारों ने तैरकर बचाई अपनी जान**

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में छोटेबैठिया थाना क्षेत्र में प्रवाहित कोटरी नदी पुलविहीन होने के चलते हर साल बारिश के दिनों में कई घटनाएं सामने आती है। इस बार भी ऐसा ही कुछ हुआ है। शुक्रवार को नदी पार करने के लिए नांव पर पांच लोग सवार हुए जिसमें एक व्यापारी भी शामिल था। नदी पार करते वक्त बीच में जलस्तर बढ़ने के चलते नांव अनियंत्रित हो गई और नांव पलट गई। जिससे नाव में सवार पांचों लोग नदी में कूद गए और अपनी जान बचाई।

नाव में सवार व्यापारी द्वारा लदे लाखों के समान नदी में बह गए। जिससे व्यापारी को लगभग दो लाख रुपये का नुकसान हुआ। हालांकि, सभी ग्रामीण तैरकर नदी के दूसरे छोर पर पहुंचे और राहत की सांस ली। इस नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण के लिए सरकार ने बजट तैयार किया है। पुल बनाने के लिए तमाम तैयारियां भी शुरू कर दी गई थी। लेकिन इसी बीच इलाके के हजारों ग्रामीण पुल निर्माण के विरोध ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। यह दूसरा साल है कि इलाके के ग्रामीण यहां विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

लो बन गई कांग्रेस की डबल इंजन की सरकार

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ - दीपक रंजन दास

भाजपा कहती रह गई और कांग्रेस ने डबल इंजन की सरकार बना दी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की ताकत मिल गई। कका-बाबा की जोड़ी ने बिना कोई वक्त गंवाए प्रदेश की राजनीति को स्पष्ट संदेश भी दे दिया। कांग्रेस में कोई फूट नहीं है। 'बाबा' का भाजपा प्रवेश नहीं हो रहा। वे नाराज नहीं बल्कि उदास थे। वजह भी साफ है। वे अपने कद के हिसाब से अलग दिखना-करना चाहते थे। चार अन्य विधायक या मंत्रियों के साथ एक लाइन में नहीं खड़े होना चाहते थे। पार्टी आलाकमान ने उनके दर्द को समझा और वह अलग पहचान उन्हें दे दी, जिसके वे तलबगार थे। अब 'बाबा' फुल पावर में हैं। सरगुजा से लेकर बस्तर तक उनका एक विशाल प्रभाव क्षेत्र है। उन्होंने साफ-साफ कह दिया कि अब वे भूपेश को दोबारा सीएम बनाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने इसकी शुरुआत भी फौरन कर दी। डिप्टी सीएम बनने के बाद वे सीधे 'कका' के घर पहुंचे। पूरे परिवार से मुलाकात की। इसके बाद सीधे 'कका' के विधानसभा क्षेत्र पहुंचे और वहां मुख्यमंत्री के पुत्र के साथ बूथ चलो अभियान का हिस्सा बने। अपने कद के अनुरूप ही उन्होंने कुछ बातें और भी कहीं। उन्होंने कहा कि एक परिवार से एक ही आदमी का चुनाव लड़ना सही रहता है। उन्होंने साफ कर दिया कि वे पहले की ही तरह शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और प्रसंस्करण केन्द्रों की स्थापना को लेकर काम करते रहेंगे। इसके बाद भाजपा के पास कहने को ज्यादा कुछ नहीं रह गया। ट्विटर सीएम ने जब उन्हें 90 दिन का डिप्टी सीएम बनने पर बधाई दी तो उन्हें टका सा जवाब भी मिल गया। उन्होंने कहा कि सीएम एक संवैधानिक पद है जबकि डिप्टी सीएम केवल औपचारिक पद। यह सिर्फ एक पहचान है। 'बाबा' से इसी परिपक्वता की उम्मीद थी। बहरहाल, कांग्रेस के इस दांव पर भी थोड़ी चर्चा होनी चाहिए। भाजपा के पास दो ही बड़े मुद्दे थे, हैं और शायद आगे भी रहेंगे। इसमें से पहला है परिवारवाद और दूसरा धर्मांतरण। इसके अलावा भाजपा केवल साम-दाम-दंड-भेद की राजनीति ही करती रही है. लोगों को डरा धमकाकर, प्रलोभन देकर अपने में मिलाने की उसमें अद्भुत क्षमता है। इसे गैर भाजपाई 'सुपर लांड्री' कहते हैं जहां जाते ही सारे दाग धुल जाते हैं। सिंहदेव पर भी उसकी नजर थी पर कांग्रेस ऐन वक्त पर गच्चा दे गई। भारतीय समाज न केवल राजा के पुत्र को स्वाभाविक उत्तराधिकारी मानता है बल्कि उसमें राजा का अक्स भी ढूंढता है. वह मिलान करता है कि राजकुमार राजा से बेहतर है या कमतर। कमोबेश यही स्थिति राजीव की शहादत के बाद सोनिया और राहुल को लेकर भी बनी थी। इसे भाजपा ने परिवारवाद कहा, जबकि पुत्र को विरासत सौंपने वालों की वहां भी कोई कमी नहीं है। सोनिया-राहुल ने साबित कर दिया है कि उत्तराधिकार की भारतीय सोच में दम तो है, वो निपट अनाड़ी नहीं हैं।

संपादकीय

कनाडा को संदेश

अलगाववाद के विरुद्ध भारत की नई वैश्विक आक्रामकता न केवल सुखद, बल्कि अनुकरणीय भी है। यह बात छिपी नहीं है कि कनाडा इन दिनों खालिस्तानी अलगाववादियों का अड्डा बना हुआ है और वहां से लगातार भारत को परेशान करने की साजिशें हो रही हैं। ऐसी साजिशों पर हमला बोलते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ कहा है कि कनाडा की सभी प्रतिक्रियाएं वास्तव में वोट-बैंक की मजबूरियों के कारण बाधित रही हैं। अगर कनाडा की मंजूरी से ऐसी गतिविधियां चलती रहती हैं, जो हमारी संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा पर आघात करती हैं, तो हमें जवाब देना पड़ेगा। यह कनाडा को दिया गया अब तक का सबसे तीखा संदेश है। भारत ने यह संकेत दे दिया है कि वह कनाडा की उदासीनता के सामने हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठेगा। वैसे यह देखने वाली बात है कि कनाडा सरकार भारत की चिंताओं पर ध्यान नहीं दे रही है। ऐसे में, दोनों देशों के रिश्तों में तल्खी तय है। ऐसे एकाधिक दुखद प्रकरण हैं, जिनसे भारत का विदेश मंत्रालय रुष्ट है। कनाडा ने अभी तक भारत को यह आश्वासन नहीं दिया है कि वह अपने यहां भारत विरोधी गतिविधियों को रोकने के प्रयास करेगा। दरअसल, सिखों की बढ़ती संख्या राजनीतिक रूप से कनाडा में महत्वपूर्ण होती जा रही है। वहां की सरकार या सत्तारूढ़ राजनीतिक दल को सिखों का समर्थन चाहिए। सिखों का समर्थन करके अपने लिए सियासी ताकत तलाश रहे नेताओं को भारत-कनाडा संबंधों की चिंता नहीं है। भारत वर्षों पहले सिख आतंकवाद की समस्या का समाधान कर चुका है, लेकिन उसे अगर कनाडा की स्थानीय राजनीति परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से समर्थन देती है, तो भारत की नाराजगी स्वाभाविक है। भारतीय विदेश मंत्री की प्रशंसा करनी चाहिए, लेकिन समय आ गया है कि कनाडा को सही पटरी पर लाने के लिए जुबानी जमाखर्च से आगे बढ़कर ठोस उपाय किए जाएं। उन विकल्पों पर विचार करना होगा, जो कूटनीतिक दृष्टि से कारगर हैं। कम से कम तीन अहम देश ऐसे हैं, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड, जहां चंद खालिस्तानियों ने अपनी संकीर्ण मानसिकता के झंडे अपने माल-गोदाम से फिर निकाल लिए हैं। सिखों का एक बहुत बड़ा वर्ग है, जो अलगाववाद की ओर नहीं जाना चाहता, जो अमन पसंद है और अपने पंथ की स्नेहिल बुनियाद को समझता है। मेल-मिलाप का पैरोकार पंथ अलगाववाद के बड़े घाव अतीत में झेल चुका है और यह भारत सरकार की जिम्मेदारी है कि वह किसी को गलत राह पर न जाने दे। संकीर्ण खालिस्तानी, जो कभी पंजाब लौटना नहीं चाहेंगे, वे भी अलगाववाद की बुझी हुई आग को दोबारा सुलगाना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड की सरकारें अपेक्षाकृत सजग हैं, लेकिन कनाडा सरकार खुद अपना मजाक उड़वाने की तैयारी में है। सच्चाई से परे जाकर आखिर किस आधार पर कनाडा अलगाववाद को सही ठहरा सकता है, उच्च स्तर पर भारत सरकार को उससे बात करनी चाहिए। अभी 4 जून को कनाडा में एक जगह झांकी प्रदर्शित की गई, जिसमें भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाया गया। ऐसा जश्न मनाने वालों की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। ऐसे जश्न का बचाव किसी भी सांविधानिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक पैमाने पर नहीं किया जा सकता। तब भी भारतीय विदेश मंत्री ने कड़ी आपत्ति जताई थी। अब विदेश मंत्रालय को कुछ आक्रामक होना ही पड़ेगा, ताकि कनाडा की राजनीति को गलत दिशा में जाने से रोका जा सके।

> “सिखों का एक बहुत बड़ा वर्ग है, जो अलगाववाद की ओर नहीं जाना चाहता, जो अमन पसंद है और अपने पंथ की स्नेहिल बुनियाद को समझता है। मेल-मिलाप का पैरोकार पंथ अलगाववाद के बड़े घाव अतीत में झेल चुका है और यह भारत सरकार की जिम्मेदारी है कि वह किसी को गलत राह पर न जाने दे। संकीर्ण खालिस्तानी, जो कभी पंजाब लौटना नहीं चाहेंगे, वे भी अलगाववाद की बुझी हुई आग को दोबारा सुलगाना चाहते हैं।

सिर्फ शांति की बात कीजिए

अगर आप शांति के बारे में बात करने का साहस नहीं करते, तो इस संसार को इसी दशा में छोड़ देंगे। जीसस को सूली पर लटकाने का कारण ही यही था कि उन्होंने इसके बारे में बोलने का साहस किया था।

धर्म एक अंदरूनी कदम है। धर्म अगर एक या दूसरे समूह से जुड़ना भर रह जाए, तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उससे सिर्फअलगाव ही उपजा है। ऐसे में, इसने लोगों के बीच सिर्फ घृणा फैलाई है।...जैसे ही वे किसी धार्मिक समूह से अपनी पहचान जोड़ लेते हैं, वे लड़ने को तैयार हो जाते हैं। अगर वे इन समूहों से नहीं जुड़ते, तो कम से कम उनके पास लड़ने का कोई कारण तो नहीं होता। शायद व्यक्तिगत स्तर पर लोग लड़ेंगे, लेकिन समूह के रूप में लड़ने का उनके पास कोई कारण नहीं होगा। अभी धर्म का मतलब हो गया है समूहों से जुड़ना, धर्म लोगों से यही करवा रहा है। धर्म का मकसद लोगों को देवता बनाना है, लेकिन इसने उन्हें इंसान भी नहीं रहने दिया। वे जानवर जैसे बनते जा रहे हैं, क्योंकि जैसे ही आप किसी समूह से जुड़ते हैं, आप उस समूह की रक्षा करना चाहते हैं। आपके अंदर की यह स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। यह सहज मानव प्रवृत्ति है। एक बार आप किसी खास समूह से जुड़ गए, तो आप हमेशा दूसरे समूह के लिए खतरा बन जाते हैं। निश्चित रूप से हर व्यक्ति शांति चाहता है, वाकई चाहता है। कोई भी संघर्ष नहीं चाहता, पर जिस क्षण वह किसी समूह से जुड़ता है, वह लड़ता है, है न? व्यक्तिगत स्तर पर अगर आप उनसे बात करें, तो पाएंगे कि इस व्यर्थ चीज को कोई भी नहीं चाहता। लेकिन जैसे ही वे किसी समूह या संगठन के साथ जुड़ते हैं, वे अपनी बुद्धि खो देते हैं और एक अलग किस्म की भावना में जलने लगते हैं। सवाल है कि आखिर हम शांति की बात क्यों नहीं कर सकते? समय आ गया है कि हम इसकी बात करें। यह नई सहस्राब्दी है, है न? आज अगर हम इसके बारे में सिर्फ बात करना शुरू करें, तो कम से कम अगली सहस्राब्दी तक इस स्थिति में कुछ बदलाव जरूर आ सकता है। अगर आप इसके बारे में बात करने का साहस नहीं करते, तो आप इस संसार को हमेशा के लिए इसी दशा में छोड़ देंगे। जीसस को सूली पर लटकाने का एकमात्र कारण यही था कि उन्होंने इसके बारे में बोलने का साहस किया था। एक बार फिर लोगों के साथ वही चीजें हो रही हैं। ऐसा नहीं है कि आपने इसे एक बार ठीक कर दिया, तो यह हमेशा ठीक ही रहेगा। नहीं, इसे निरंतर सुधार की जरूरत है, हर वक्त। मात्र एक जीसस और एक बुद्ध से काम नहीं चलेगा। इस धरती को ऐसे कई लोगों, कई मनीषियों की आवश्यकता है। केवल तभी इस दुनिया के लिए एक संभावना पैदा होगी, जहां मानव स्वस्थ-चित्त होगा, अन्यथा उसका उग्रवादी बनना निरंतर जारी रहेगा।

झंडे गाड़ने नहीं दिये

समाचार मिले हैं कि शोलापुर जिले के वारसी ताल्लुके में स्थित अलकपुर नामक एक गांव पर, जो हैदराबाद-बम्बई की सीमा पर निजाम के प्रदेश से मिला हुआ है, हैदराबाद के रजाकारों तथा गुंडों ने गोली चलाई। बम्बई सरकार की एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि शोलापुर जिले के कोदगांव में निजाम के लगभग 350 सशस्त्र गुंडों ने किस प्रकार प्रवेश करके गांव को घेर लिया तथा चारों ओर से गोलियां चलाईं। परन्तु उनको बुरी तरह से पछाड़ा गया जिसके परिणामस्वरूप उन्हें क्षति उठानी पड़ी। विज्ञप्ति में आगे बताया गया कि गत 10 अप्रैल को निजामी आक्रमणकारियों ने उक्त गांव में अपने झंडे लगाने के अभिप्राय से प्रातकाल 10 बजे गांव की सीमा में प्रवेश करने का प्रयास किया। इस पर गांव में नियत पुलिस दल ने गोलियों की आवाज सुनकर ग्रामीणों की सहायता से आक्रमणकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया, तथा निजाम के गुंडों पर इस प्रकार गोली चलाई कि उन्हें दुम दबाकर भागना पड़ा।

> “भले ही, भारत अनाज-उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया है, मगर चावल-गेहूं वाले फसल चक्र में सरकारी खरीद और निरंतर आय सुनिश्चित करने के कारण कुछ भारतीय राज्यों में जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन हुआ है। पंजाब में लगभग 78 प्रतिशत और हरियाणा में 49 फीसदी प्रशासनिक क्षेत्रों ने अपने यहां भूजल के अत्यधिक दोहन की सूचना दी है।

मोटे अनाज को चाहिए बड़ा अभियान

वी. अनंत नागेश्वरन

भारत में मोटे अनाजों (मिलेट्स) का सेवन सिंधु घाटी सभ्यता से ही हो रहा है। मोटे अनाज कम कार्बन फुटप्रिंट वाली ऐसी फसलें हैं, जिनमें अत्यधिक पोषक तत्व होते हैं। ये प्रोटीन, खनिज और फाइबर से भरपूर होते हैं, जिस कारण गैर-मोटे अनाजों की तुलना में कहीं अधिक पौष्टिक माने जाते हैं। इनका कम 'ग्लाइसेमिक इंडेक्स' मधुमेह और हृदय रोगों को नियंत्रित करने में मदद करता है। इन फसलों को शुष्क और अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों में भी उगाया जा सकता है, जहां गेहूं और चावल जैसे गैर-मोटे अनाजों को उगाना फायदेमंद नहीं माना जाता।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजरा-उत्पादक देश है। बाजरे के कुल वैश्विक उत्पादन में हमारी हिस्सेदारी करीब 40 फीसदी है। वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी का एक शोध बताता है कि आसन्न जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में भूमि तेजी से शुष्क होती जाएगी, यानी सूखती जाएगी। मोटे अनाज इस चुनौती का हल निकाल सकते हैं, क्योंकि इनको कम उपजाऊ और अम्लीय मिट्टी में भी उगाया जा सकता है, जबकि ऐसी मिट्टी में गेहूं का उत्पादन नहीं हो सकता। इसी तरह, मिट्टी में यदि लवण हो, तो चावल का उत्पादन प्रभावित हो सकता है। मगर बाजरा और रागी (मडुआ) उस जमीन पर भी धान की खेती का बेहतर विकल्प हो सकते हैं, जहां मिट्टी की लवणता 11-12 डेसीसीमेंज प्रति मीटर या इससे अधिक है। इसके अलावा, धान के लिए करीब 120-140 सेंटीमीटर बारिश की जरूरत होती है, जबकि बाजरा और चेना (सांवा) जैसे मोटे अनाजों की जरूरत बमुश्किल 20 सेंटीमीटर बारिश से पूरी हो जाती है।

खाद्य और पोषण सुरक्षा देने में मोटा अनाज काफी सहायक हो सकता है और यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप है। इसीलिए केंद्र सरकार ने इस साल के बजट में मोटे अनाज को 'श्री अन्न' का नाम दिया और भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (हैदराबाद) को एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित करने की बात कही, ताकि देश भर में सर्वोत्तम कृषि-तरीकों, अनुसंधान व प्रौद्योगिकी का प्रसार हो सके।

दरअसल, हरित क्रांति ने पूरे देश में गेहूं और चावल की पैदावार बढ़ाई। हालांकि, इसका एक अप्रत्याशित नतीजा भी दिखा। इससे मक्का और श्री अन्न (ज्वार, बाजरा और रागी) जैसी पोषण से भरपूर फसलों के रकबे में कमी आई। धान-गेहूं की उपज बढ़ने के साथ इनकी प्रति हेक्टेयर कमाई मोटे अनाज की तुलना में बहुत ज्यादा हो गई। इसके कारण किसानों ने मोटे अनाजों से दूरी बनानी शुरू कर दी। फिर, समय के साथ उपभोक्ताओं का स्वाद और उनकी प्राथमिकताएं भी बदल गईं। तीव्र शहरीकरण ने मैदे से तैयार 'रेडी-टु-ईट' यानी बने-बनाए खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ा दी। नतीजतन, 'असेसिंग मिलेट्स ऐंड सॉर्गम कंजम्पशन विहेवियर इन अर्बन इंडिया' के सर्वे के मुताबिक, सन् 1962 से 2010 के बीच, भारत में प्रति व्यक्ति मोटे अनाज की खपत 32.9 किलोग्राम से घटकर 4.2 किलोग्राम हो गई, जबकि गेहूं की खपत करीब दोगुनी 27 से बढ़कर 52 किलो हो गई। भले ही, भारत अनाज-उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया है, मगर चावल-गेहूं वाले फसल चक्र में सरकारी खरीद और निरंतर आय सुनिश्चित करने के कारण कुछ भारतीय राज्यों में जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन हुआ है। पंजाब में लगभग 78 प्रतिशत और हरियाणा में 49 फीसदी प्रशासनिक क्षेत्रों ने अपने यहां भूजल के अत्यधिक दोहन की सूचना दी है। अध्ययनों से पता चला है कि भारतीय परिवार नियमित रूप से श्री अन्न का सेवन इसलिए भी नहीं करते, क्योंकि उनको यह मालूम ही नहीं है कि अपने आहार में इनको किस तरह से शामिल किया जाए। हालांकि, गांवों में स्वास्थ्य लाभ की बहुत जानकारी न होने के बावजूद मोटे अनाज पकाए जाते हैं। मोटे अनाजों से छिटकने की एक वजह इनका स्वाद भी है। यह बताता है कि महज स्वास्थ्य जागरूकता फैलाकर हम इसकी उल्लेखनीय खपत नहीं बढ़ा सकेंगे।

इसीलिए श्री अन्न मूल्य शृंखला के सिर्फएक पहलू पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय हमें संपूर्ण मूल्य शृंखला के बारे में सोचना होगा। इस काम में न सिर्फ इनकी किस्मों को उन्नत बनाना होगा, बल्कि अनाजों के जीवन-काल को बढ़ाना, कुशल प्रसंस्करण और बाजार तक इनकी पहुंच भी सुनिश्चित करनी होगी। इसमें ब्रांडिंग, पैकेजिंग, जागरूकता कार्यक्रम और 'रेडी-टु-ईट' ब्रांडों के साथ सहयोग भी होना चाहिए। इसके अलावा, हमें इन फसलों को अधिक प्रतिस्पर्द्धी बनाने और इनकी कारोबारी मांग को प्रोत्साहित करने के लिए इनकी उत्पादकता भी सुधारनी होगी।

याद कीजिए, 1980 के दशक में भारत में पोल्ट्री किसानों के सामने अंडे की कम मांग एक बड़ी समस्या बनकर उभरी थी, जो इस शाकाहारी देश में अपेक्षित ही था। तब एक जानी-पहचानी समस्या थी, बिचौलिए अंडा डीलरों द्वारा किसानों का शोषण। उस समय अमूल सहकारी मॉडल की प्रेरणा से बी.वी. राव ने सहकारी अंडा मॉडल विकसित करने की पहल की। इसे राष्ट्रीय अंडा समन्वय समिति (एनईसीसी) के नाम से जाना गया। चूंकि, इसकी मुख्य चुनौती अंडों की मांग पैदा करना था, इसलिए इस समिति ने एक विज्ञापन एजेंसी के साथ करार किया और एक रचनात्मक जिंगल बनी- संडे हो या मंडे, रोज खाओ अंडे। इसका देश भर में व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ, जिसका मध्यम वर्ग पर अच्छा-खासा प्रभाव पड़ा और समय के साथ-साथ प्रति व्यक्ति अंडे की खपत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। हमें मोटे अनाज के लिए भी इसी तरह के आक्रामक अभियान चलाने पड़ सकते हैं।

मधुमेह, हृदय रोग, बाल कुपोषण, एनीमिया जैसी कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने की क्षमता रखने वाले 'श्री अन्न' कभी 'सुपर फुड' माने जाते थे। इनके महत्व को हमें फिर से स्थापित करना होगा, और इसके लिए हमें अपने पारंपरिक ज्ञान से जुड़ना होगा और भारत की खाद्य प्रणाली के तमाम पहलुओं पर ध्यान देना होगा। ओडिशा ने अपने 'मिलेट मिशन' से एक उल्लेखनीय उदाहरण पेश किया है। इसमें सामुदायिक नेतृत्व वाला नजरिया अपनाया गया है, जिसके तहत मूल्य शृंखला में बाजार उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आदिवासी महिलाओं के नेतृत्व वाले लगभग 1,500 स्वयं सहायता समूहों को शामिल किया गया है। यह प्रयास अन्य राज्यों में भी दोहराया जाना चाहिए।

(साथ में श्वेता कुमार, अधिकारी, वित्त मंत्रालय)

घरेलू सहायकों के लिए इतने अनुदार क्यों हैं हमारे अमीर

मनु जोसेफ, पत्रकार और उपन्यासकार

चमक किसी भारतीय नौकरानी के पास से होकर नहीं गुजरती, भले ही कई भारतीय ऐसा चाहते हों। चमक उस तक आती तो है, पर टकराकर लौट जाती है। वह चमक का ही हिस्सा है, लेकिन सामने नजर नहीं आती। उसे पता है कि चमक के बीच भी अदृश्य कैसे रहना है। घर में काम करने वाले सेवक जानते हैं कि हर जगह मौजूद रहते हुए भी अदृश्य कैसे रहना है। वे रसोई में रहते हैं, पीछे कहीं विलीन हो जाते हैं, बे-आवाज चलते हैं और बिना पूछे, कभी जवाब नहीं देते। हालांकि, अब वे भी छुट्टी लेते हैं, दोस्तों से फोन पर बात करते हैं और अपने मालिकों के उद्यान में घूमते हैं। परिणामस्वरूप, वे भारत में चल रहे नौकर-मालिक संघर्षों में भी शामिल हैं।

कुछ दिनों पहले बेंगलुरु की एक संपन्न आवासीय सोसायटी ने बयान जारी किया था, 'उन्हें (नौकरानियों को) पार्क, एम्फीथिएटर और हर जगह घूमते हुए देखना असह्य है। जहां भी हम चलते हैं, वहां नौकरों से घिरे रहने से असहजता महसूस हो सकती है... सोसायटी रिसेप्शन पर रसोइया, बढ़ई, प्लंबर सोफे पर बैठते हैं, जिसके कारण हममें से अधिकांश ने अब सोफे पर बैठना बंद कर दिया है। जब यह बयान लीक हुआ, तो जाहिर है, इसके खिलाफ आक्रोश भी हुआ। खैर, सोशल मीडिया अब भारत में एक उचित स्थान प्रतीत होने लगा है। जहां कई लोगों ने कहा कि नौकर भी इंसान हैं। वैसे मुझे यह ताना अजीब लगता है। धनाढ्य वर्ग जानता है कि नौकर भी इंसान हैं। दरअसल, उन्हें इंसानों से ही दिक्कत है। यदि कोई हिरण उनके पार्क, एम्फीथिएटर में घूमे और उनके सोफे पर बैठ जाए, तो उन्हें वह बहुत प्यारा लगेगा।

शायद वह आवासीय सोसायटी यह इशारा कर रही थी कि गरीब लोग किसी स्थान की सुंदरता को खराब कर देते हैं। मोबाइल फोन के कारण वे न केवल देखे जाते हैं, बल्कि सुने भी जाते हैं, हंसते हुए, रोते हुए, लड़ते हुए, प्यार करते हुए। वे सोसायटी के निजी संसाधनों पर भी कब्जा कर लेते हैं। वस्तुतः हम एक ऐसे देश हैं, जहां मध्य वर्ग चीजों की गुणवत्ता के लिए नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए ज्यादा भुगतान करता है कि अन्य भारतीयों को वहां प्रवेश की अनुमति न हो।

उस हाउसिंग सोसाइटी का नोटिस पॉश कॉलोनियों में गरीबों की मौजूदगी को प्रतिबंधित करने की कोशिश को ही दर्शाता है। मगर यह कोशिश नाकाम होने को अभिशप्त है। ऐसे नोटिस बोर्ड, जो नौकरों और कुत्तों को लिफ्ट का इस्तेमाल न करने के लिए कहते हैं, एक नया कमतर वर्ग बना रहे हैं। इस वर्ग को हर जगह बदसूरत माना जाता है, पर पश्चिम के उलट हम भारत में यह नहीं समझ पाए हैं कि इस 'बदसूरती' को कैसे छिपाया जाए! संपन्न भारतीय घरेलू सहायकों की बढ़ती दृश्यता को लेकर चिंतित हैं, पर वे उनके बिना जी भी नहीं सकते।

मुझे याद है, पहली बार 1990 के दशक के मध्य में मैं मुंबई के मालाबार हिल पर टहल रहा था। मैं कई वर्षों से सुनता आ रहा था कि यह भारत का सबसे महंगा आवासीय क्षेत्र है, किंतु वहां सड़कों पर मैंने जिन लोगों को देखा, उनमें से ज्यादातर गरीब थे। तब मालाबार हिल पर अंग्रेजीदां अभिजात वर्ग रहता था। वह अभिजात वर्ग अब कहीं और चला गया है, उनकी जगह एक नया अमीर वर्ग आ गया है, लेकिन वहां सड़कों पर इंसानियत के जो प्रतिनिधि हैं, वे और भी गरीब हैं। मैं गुरुग्राम की जिस कॉलोनी में रहता हूं, वहां सुबह कुछ यूं होती है कि जब मैं दौड़ने जाता हूं, तो सबसे पहले कई सुरक्षा गार्ड दिखते हैं, जो गरीब उत्तरी राज्यों से आए प्रवासी हैं। दर्जनों कुत्ते टहलाने वाले भी मिलते हैं, जिनमें मुख्यतः बांग्लाभाषी होते हैं। फिर अंशकालिक नौकरानियां अपनी साइकिल से आती दिखती हैं, इसके बाद ड्राइवर आते हैं। इनमें से अधिकांश के पास बहुत काम नहीं होता और वे ताश खेलने में व्यस्त रहते हैं। इस बीच, कॉलोनी खुद को सुंदर बनाने के निरर्थक प्रयास में निवेश करती है।

जब मैं सैर से वापस आता हूं, तो देखता हूं, एक गरीब व्यक्ति फर्श पर पोंछा लगा रहा है। यह एक व्यायाम सा है, जिसके लिए लोग पार्क जाते हैं। भारत के संपन्न लोगों की एक अजीब प्रकृति है, वे यह तो सोचते हैं कि उनकी जगह को उनके सहायक असुंदर बनाते हैं, पर इन सहायकों को संवारने के लिए वे कुछ नहीं करते। इसमें ज्यादा खर्च भी नहीं होगा, पर हम ऐसा नहीं कर पाते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

असहमत होने से पहले गांधी को समझना जरूरी

विश्वनाथ सचदेव

वह भारतीय जनता पार्टी के प्रखर वक्ता भी हैं और नेता भी। पार्टी ने उन्हें राज्यसभा का सदस्य भी बनाया था। उस दिन एक टीवी चैनल की बहस में उन्होंने इस बात पर आपत्ति प्रकट की थी कि महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता क्यों कहा जाता है! उनका तर्क था कि 'भारत माता' का पिता कोई कैसे हो सकता है? उन्हें इस बात पर भी ऐतराज़ था कि हमारे संविधान में 'राष्ट्रपिता' शब्द का उल्लेख न होने के बावजूद किसी को यह पदवी कोई कैसे दे सकता है? और जब भाजपा के यह प्रवक्ता टीवी चैनल पर यह सब कह रहे थे तो सात समंदर पार अमेरिका में हमारे प्रधानमंत्री महात्मा गांधी की प्रतिमा पर फूल चढ़ा रहे थे, प्रतिमा के सामने शीश झुका रहे थे। इस दृश्य को देखने वालों ने यह भी देखा होगा कि राष्ट्रपिता के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री प्रतिमा को पीठ दिखा कर वहां से नहीं हटे थे- जैसे मंदिर में आराध्य की प्रतिमा को प्रणाम करके एक-एक कदम पीछे हटाते हुए हटा जाता है, ठीक वैसे ही प्रधानमंत्री राष्ट्रपिता की प्रतिमा से हटे थे।

जब-जब प्रधानमंत्री मोदी विदेश गये हैं, और जब-जब उन्हें अवसर मिला है उन्होंने इस बात को रेखांकित करना जरूरी समझा है कि भारत बुद्ध और गांधी का देश है। सच कहें तो विदेशों में गांधी भारत की पहचान का नाम है। सारी दुनिया इस पहचान को स्वीकारती-सराहती है। यह कोई संयोग नहीं है कि दुनिया के 141 देशों में महात्मा गांधी की प्रतिमाएं लगा कर, या फिर प्रमुख मार्गों को उनका नाम देकर भारत के राष्ट्रपिता के प्रति श्रद्धा व्यक्त की है! दुनिया यह भी जानती है कि गांधी जी के निधन पर आइंस्टाइन जैसे महान वैज्ञानिक-दार्शनिक ने कहा था, 'आने वाली पीढ़ियां विश्वास नहीं करेंगी कि कभी इस धरती पर गांधी जैसा हाड-मांस का पुतला सचमुच में था।

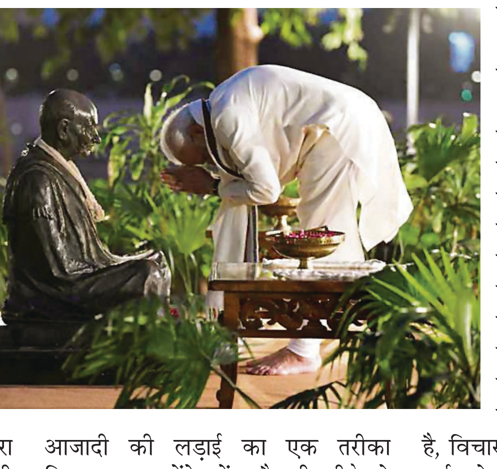

यह कतई जरूरी नहीं है कि महात्मा गांधी की हर बात को स्वीकारा जाये। असहमति हो सकती है उनकी किसी बात से, नेहरू, पटेल, सुभाष जैसे उनके शिष्य भी कई बातों पर गांधी से असहमत हुआ करते थे। वैचारिक असहमति अवमानना नहीं होती। गांधी तो स्वयं कई बार अपने आप से असहमत हुआ करते थे। सत्य के प्रयोग कहते थे वह अपनी कार्य-विधि को। वे कहा करते थे, जो मैं आज कह रहा हूं वह मेरे आज का सच है, हो सकता है कि कल मुझे कोई बेहतर बात समझ में आ जाये। गांधी की इस बात के अर्थ और महत्व को दुनिया ने समझा है, इसीलिए दुनिया भर में गांधी के विचारों को लेकर एक सम्मान का भाव है।

गांधी ने कभी नहीं कहा कि उन्होंने देश को आजाद कराया था। सच बात तो यह है कि उन्होंने देश को, और दुनिया को आजाद होने का मतलब समझाया था। आजादी की लड़ाई का एक तरीका सिखाया था उन्होंने हमें। और भी तरीके हो सकते हैं इस लड़ाई के, पर वे कहते थे, मेरा तरीका मुझे बेहतर लगता है। वे जीवन भर अपने तरीके पर चलते रहे। आज भी दुनिया उनके बताये तरीके को जानने-समझने का प्रयास करती दिखती है। इसलिए गांधी महान हैं। गांधी की महानता को देख-समझ कर ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने उन्हें राष्ट्रपिता कहा था। हां, महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता संबोधन सबसे पहले सुभाष चंद्र बोस ने ही दिया था। गांधी और सुभाष के वैचारिक मतभेद किसी से छिपे नहीं है, इसके बावजूद यदि सुभाष गांधीजी को राष्ट्रपिता समझते थे, तो यह इन दोनों महापुरुषों की महानता का ही परिचायक है। वैचारिक मतभेद का मतलब किसी को कमतर आंकना नहीं होता। और वैचारिक मतभेद व्यक्त करने का तरीका भी वह नहीं होता जो भाजपा के उस प्रवक्ता ने अपनाया था, जिसकी चर्चा मैंने प्रारंभ में की थी

यह दुर्भाग्य ही है कि आज देश में कुछ तत्व ऐसे हैं जो गांधी के प्रति अपनी असहमति को प्रकट करने के लिए गोडसे का सहारा लेते हैं। नाथूराम गोडसे ने गांधी की हत्या की थी, गांधी के विचारों की नहीं। सच कहें तो गांधी के विचारों की हत्या हो भी नहीं सकती। विचार पिस्तौल की गोली से नहीं मरते, विचार का मुकाबला विचार से ही हो सकता है, विचार से ही होना चाहिए। इस बात के मर्म को समझे बिना यह समझना संभव नहीं कि सुभाष चंद्र बोस ने गांधी को राष्ट्रपिता क्यों कहा था, और आज सारी दुनिया गांधी को जानने-समझने की आवश्यकता क्यों महसूस कर रही है।

गांधी ने जो कहा, जो किया उसे समझना हमारे आज की आवश्यकता ही नहीं, हमारे आने वाले कल की भी आवश्यकता है। इसीलिए स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को गांधी से परिचित कराना जरूरी है। इसीलिए, तब हैरानी होती है जब पता चलता है राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने इतिहास की पुस्तकों से गांधी-हत्या के प्रकरण को हटाने का निर्णय किया है। गांधी पर पर्दा डालकर गांधी के अस्तित्व को नहीं नकारा जा सकता। जैसे पिस्तौल की गोलियों से कोई गांधी नहीं मर सकता, वैसे ही गांधी को समझने की कोशिशों के महत्व को भी नहीं नकारा जा सकता। बच्चों को गांधी के विचारों से परिचित कराना ऐसी ही एक कोशिश है। गांधी से असहमत होने से पहले उन्हें समझना ज़रूरी है। दुर्भाग्य से, उन्हें समझने की कोशिशों के बजाय उन्हें समझने के रास्तों को बंद किया जा रहा है!

कुछ अर्सा पहले, शायद उत्तर प्रदेश?में एक महिला नेता ने गांधी के पुतले पर गोलियां चलाकर अपनी असहमति प्रकट की थी। आज गोडसे की पूजा करके भी ऐसी ही कोशिश की जा रही है। गांधी को नकारने के लिए गांधी से बड़ी लकीर खींचने की आवश्यकता है। कोई गांधी राष्ट्रपिता बनाया नहीं जाता, अपने कर्म और विचारों से किसी को यह सम्मान मिलता है। गांधी की महत्ता और उन्हें समझने की आवश्यकता हमारे आज और आने वाले कल की जरूरत है। किसी एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम से इसे पढ़ाया जाये या नहीं, इससे राष्ट्रपिता की महत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता। सत्य और अहिंसा की जो मशाल गांधी ने जलायी थी, वह मनुष्य मात्र की चेतना को प्रभावित करने वाली है। आज दुनिया भर में गांधी को जानने-पहचानने के प्रयास हो रहे हैं। गांधी का सत्य और अहिंसा का मंत्र मनुष्यता के अस्तित्व की आवश्यकता है। आप उन्हें राष्ट्रपिता कहें या नहीं, उनके इस मंत्र को अनदेखा नहीं किया जा सकता, नहीं किया जाना चाहिए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

बाल संदर्भ शिविर में हुई कमजोर बच्चों की जांच

कोरबा। महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा कमजोर एवं कुपोषित बच्चों की चिकित्सा जांच के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों में सेक्टर स्तर पर समय.समय पर बाल संदर्भ शिविर का आयोजन किया जाता है। इस कड़ी में कोरबा शहरी परियोजना अंतर्गत सीतामणी सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती स्वाति राठौर के नेतृत्व में प्राथमिक शाला कोरबा टाउन परिसर स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र में बाल संदर्भ शिविर लगाया गया। यहां सेक्टर के आंगनबाड़ी केन्द्रों में दर्ज गंभीर कुपोषित व कमजोर बच्चों का स्वास्थ्य जांच बालको से आए डॉ. सुधांशु शर्मा के द्वारा किया गया। बच्चों के उपस्थित परिजन को बच्चे के खान-पान के संबंध में जानकारी दी गई। सुपरवाइजर ने कुपोषित बच्चों के परिजनों को समझाइश दिया कि इन्हें एनआरसी सेंटर में भर्ती कराया जाकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया जाए। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती मीना साहू, लाजवंती दीवान, अंजना पटेल, अमरजीत कौर, बबीता सिंह, इंद्रेश सिंह, लक्ष्मी थवाईत, सरोज सिंह, शोभा, सिरोमणी दास, सहायिका शैलबाई दीवान आदि उपस्थित रहे।

बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को और अधिक मजबूत करने पर दिया जोर

महासमुंद। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के तत्वावधान में भिलाई चरौदा में आयोजित बूथ चलो अभियान का शुभारंभ किया। बाद इसके उन्होंने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को बूथ मैनेजमेंट की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया। गौरतलब है कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा संभागवार बूथ चलो अभियान चलाया जा रहा है। दुर्ग ग्रामीण जिला के भिलाई-चरौदा नगर के लिए संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर को प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसी तारतम्य में आज गुरूवार को प्रभारी श्री चंद्राकर ने बूथ चलो अभियान के तहत पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस दौरान श्री चंद्राकर ने बूथ कमेटियों के गठन के साथ ही सेक्टर व जोन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिए गए निर्देशों से अवगत कराकर कार्य में तत्काल प्रभाव से गति लाने जोर देते हुए कहा कि बूथ चलो अभियान के तहत कांग्रेस की योजना हर बूथ तक पहुंचने की है। इस दौरान संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर के साथ कृषि उपज मंडी अध्यक्ष हीरा बंजारे व बीज अनुसंधान समिति के संचालक दाउलाल चंद्राकर मौजूद रहे। बिलासपुर संभाग के बिल्हा में शुक्रवार को बूथ चलो अभियान की शुरुआत होगी। इसके लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर को प्रभारी बनाया गया है।

रायगढ़ निगम के धन्वंतरी दवा दुकान बिक्री में प्रदेश में अव्वल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। घर के करीब अच्छी और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बहुत सी जनहितैषी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन्ही में शामिल हैं धन्वंतरी जेनेरिक दवा दुकान योजना। जहां 70 प्रतिशत छूट के साथ सस्ती दरों पर लोगों को दवाएं मिल रही हैं। धन्वंतरी जेनेरिक दवा दुकान से सस्ती दवाओं की बिक्री के मामले में रायगढ़ नगर निगम पूरे प्रदेश में अव्वल चल रहा है।

रायगढ़ में धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर से लोगों को बड़ी राहत मिली है। यहां 70 प्रतिशत के साथ दवाइयां मिल रही हैं। अब तक रायगढ़ निगम क्षेत्र की धनवंतरी दवा दुकानों से एमआरपी के हिसाब से देखें तो लगभग 7 करोड़ 30 लाख की दवाइयों की बिक्री हुई है। जो 70 प्रतिशत छूट के साथ 2.21 करोड़ रुपए की पड़ी और लोगों के 5.09 करोड़ की बचत हुई है। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में ये दवा दुकानें संचालित हैं। जिनमें से नगरीय निकाय की जनसंख्या के मामले में रायगढ़ की धन्वंतरी जेनेरिक दवा दुकान पूरे प्रदेश में सबसे आगे है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना 20 अक्टूबर 2021 से शुरू की गई है। योजना के तहत राज्य के समस्त नगरीय निकायों में श्री धन्वंतरी मेडिकल स्टोर खोले गये हैं। रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र में दो धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर संचालित है। एक अशर्फी देवी चिकित्सालय में है। दूसरा जिला अस्पताल रायगढ़ में चल रहा है, जिसका संचालन कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन एक माह पूर्व ही यहां प्रारंभ हुआ है। रायगढ़ नगर निगम के अंतर्गत अशर्फी देवी चिकित्सालय के बाद अब जिला चिकित्सालय में भी सस्ती दवा दुकान खोला गया है। जिले के प्रमुख अस्पताल और मुख्य मार्ग में स्थित होने का सीधा लाभ लोगों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने एक जून को इसका शुभारंभ किया था। पिछले एक माह में ही यहां से करीब 10 लाख की दवा बिक चुकी है। यहां भी 70 प्रतिशत की छूट के साथ दवा मिलती है। जिससे एक माह में ही लोगों को 7 लाख की आर्थिक राहत मिली है। धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर के प्रभारी ने बताया कि सस्ती दवा दुकान में सर्दी, खांसी, बुखार, बीपी, शुगर, एंटीबायोटिक के साथ गंभीर बीमारियों की दवा के साथ 30 कंपनी के 300 से अधिक जेनेरिक दवाइयां सस्ती दरों पर मिलती हैं। इसके अलावा यहां सर्जिकल आइटम्स भी रियायती दरों पर मिलते हैं।

लोगों ने कहा कीमतें कम, फायदा बड़ा

शासन की इस योजना से भारी भरकम छूट के साथ दवा लेने वाले लोगों का कहना है यहां कीमतें काफी कम हैं जिससे बड़ा फायदा हो रहा है। इलाज के दौरान दवाओं में काफी खर्च होता है लेकिन उसमें यदि 70 प्रतिशत तक की छूट मिले तो यह बहुत राहत वाली बात है।

यहां दवा लेने पहुंचे लोगों ने योजना को शासन की जनहितैषी पहल बताते हुए कहा कि दवा की महंगी कीमतों के बीच यहां मिल रही छूट से बड़ा फायदा है। इलाज में लगने वाले खर्च में कमी आ रही है। जिसका उपयोग अन्य कामों में कर पा रहे हैं। ग्राम औरदा के नेतराम साव ने कहा कि वे इलाज कराने जिला अस्पताल आए हुए थे, उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने जो दवा लिखी है उसकी एमआरपी 390 रुपए है लेकिन छूट के बाद यह उन्हें मात्र 114 रुपए की पड़ी। उन्होंने कहा कि दवाओं में इतनी भारी छूट से आमजन खासकर कमजोर तबके के लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का इस योजना के लिए आभार जताया। इसी प्रकार कमलेश कुमार धनगर ने बताया कि वे नियमित रूप से धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीदते हैं। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को इसका फायदा उठाने की बात कही। रायगढ़ पंजरी प्लांट के रहने वाले गजेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि वे पिछले एक साल से धन्वंतरी मेडिकल स्टोर से बीपी शुगर की दवाइयां खरीद रहे हैं। यहां उन्हें 400 रुपए कीमत की दवाई की एक स्ट्रिप 121 रुपए में मिल रही है, जो एमआरपी के एक तिहाई से भी कम कीमत का पड़ रहा है। इसी प्रकार जल बाई महंत ने बताया कि वे पहली बार यहां दवा खरीदने आई हैं। लोगों से सुना था कि यहां 70 प्रतिशत छूट के साथ दवाएं मिलती हैं, आज आई तो खुद देखा कि 200 रुपए की दवा मात्र 60 रुपए में मिल गई है। सभी हितग्राहियों ने शासन प्रशासन का इस जनहितैषी योजना के लिए

ऐसे हुई रैंकिंग

प्रदेश शासन द्वारा धन्वंतरी जेनेरिक दवाई दुकान द्वारा दी जाने वाली छूट और वहां की जनसंख्या के आधार पर रैंकिंग की गई। इसमें नगर निगम क्षेत्र के अशर्फी देवी हॉस्पिटल एवं जिला अस्पताल में संचालित सस्ती दवाई दुकान द्वारा करीब 70 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। वहीं निगम क्षेत्र अंतर्गत कुल जनसंख्या के आधार पर सबसे ज्यादा छूट देते हुए दवाइयां एवं सर्जिकल आइटम की बिक्री रायगढ़ नगर निगम अंतर्गत संचालित दोनों सस्ती दवाई दुकान से हुई। इसी के आधार पर रायगढ़ नगर निगम को अव्वल होने का अवार्ड दिया गया।

गांव के विकास के लिए सभी मिलकर करें काम - रंजना साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। ग्राम कसावही में विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने जनप्रतिनिधियों व ग्रामवासियों की उपस्थिति में बुधवार को विधायक निधि से स्वीकृत सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण एवं शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। विधायक सहित आए हुए सभी अतिथियों का पुष्प कुछ भेंट करते हुए ग्राम वासियों ने स्वागत सम्मान किए अतिथि उद्बोधन में विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि गांव के विकास से लिए सभी लोग एक साथ मिलकर काम करें तो निश्चित ही कामयाबी मिलेगी, विकास तभी संभव होगा जब इसे एक साथ मिलकर गढ़ा जाएगा।

श्रीमती साहू ने आगे बताया कि क्षेत्रीय दौरे पर जब मैंने पहली बार ग्राम कसावही में रामायण कार्यक्रम में आगमन हुआ तो सभी ग्रामवासियों की एक ही बहुप्रतीक्षित मांग थी समुदायिक भवन की। क्योंकि इस गांव में एक भी सामुदायिक भवन निर्माण नहीं हुआ था ग्रामवासियों की मांग को मैंने आशीर्वाद मान कर तत्काल निधि से स्वीकृत कराते हुए समस्त ग्रामवासियों के लिए उपयोगी एवं जनहित के निर्माण किया गया, जिसका आज लोकार्पण हुआ। सभी ग्राम वासियों को बधाई। जिला साहू संघ अध्यक्ष अवनेंद्र साहू ने बताया कि विधायक के प्रयास एवं उनकी कार्यकुशलता से लगातार क्षेत्र में विकास की एक नई गाथा लिखी जा रही है, नित प्रतिदिन विधायक के द्वारा क्षेत्र में भूमि पूजन एवं लोकार्पण के साथ-साथ क्षेत्र में बगैर किसी भेदभाव के विकास करा रही है, एवं जनता की समस्याओं और सुविधाओं का ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। मैं सभी निर्माण कार्य के लिए समस्त ग्रामीणों की तरफ से विधायक जी का आभार प्रकट करता हूं। गंगरेल मंडल अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि उमेश साहू ने बताया कि जनप्रतिनिधि वही होता है जो जनता के मध्य जाकर उनके जनहित कार्यों एवं मांगों को ध्यान में रखकर निरंतर कार्य करें विधायक रंजना साहू वही जनप्रतिनिधि है जो जनता के मध्य जाकर। एक सच्चे जनप्रतिनिधि का फर्ज निभा रही है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि क्षेत्र की पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्यामा देवी साहू ने विधायक निधि से स्वीकृत सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के लोकार्पण एवं शेड निर्माण कार्य के भूमिपूजन की बधाई समस्त ग्राम वासियों को दिए, आए हुए समस्त अतिथियों का आभार ग्राम पंचायत कसावही सरपंच नोमिन साहू ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जनपद सदस्य रूपाली ध्रुव, रुद्री सरपंच अनीता यादव, बोरीदखुर्द सरपंच दुष्यंत सिन्हा, भाजपा कार्यकर्ता कीर्तन साहू, रतन कोमर्रा, धरम यादव, डीगन लाल मेश्राम, रूपराम मंडावी, छबीलाल, कोमल साहू, फागू राम साहू, चेतन लाल साहू शिक्षक, कुबेर साहू शिक्षक, गौतम मंडावी उपसरपंच, देवनारायण सिन्हा, हिंछाराम कोर्राम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

तंबाकू मुक्त प्रदेश बनाने के लिए कार्यक्रम में सामूहिक प्रयास का हुआ आह्वान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए सार्थक प्रयास के साथ ही तंबाकू नियंत्रण कानूनों को मजबूत करने को लेकर गुरूवार को 'मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला' का आयोजन किया गया। राजधानी के स्थानीय होटल में वॉलेंटरी हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वीएचएआई) की ओर से तंबाकू नियंत्रण कानून, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) 2003' विषय पर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों ने कोटपा अधिनियम में संशोधन किए जाने का समर्थन किया। साथ ही बच्चे और युवा पीढ़ी के जीवन को बचाने के लिए जन-जागरूकता और सामूहिक प्रयास से कोटपा कानून में संशोधन करने और इसको सख्ती से लागू किए जाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम स्वास्थ्य पर तंबाकू के कुप्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने और तंबाकू नियंत्रण के लिए बने कानून में संशोधन किए जाने पर केंद्रित रहा।

इस दौरान VHAI संस्थान दिल्ली से आए प्रतिनिधियों (वीएचएआई) की मुख्य कार्यकारी नई दिल्ली, भावना बी. मुखोपाध्याय, और बिनॉय मैथ्यू ने छत्तीसगढ़ में तंबाकू उपयोगकर्ताओं की स्थिति और तंबाकू नियंत्रण की दिशा में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को विस्तार पूर्वक बताया। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा तंबाकू मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की सराहना की। तंबाकू उपयोग को कम करने और तम्बाकू नियंत्रण के लिए प्रभावी तरीकों की जानकारी दी।

बीएसपी व सीआईहब (आईआईटी-कानपुर) के बीच साइबर सुरक्षा पर परिचर्चा आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के इस्पात भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में 28 जून 2023 को आईआईटी-कानपुर के सी3आईहब विशेषज्ञों की टीम द्वारा भिलाई स्टील प्लांट के लिए साइबर सुरक्षा और चुनौतियां विषय पर एक वार्ता आयोजित की गई थी। साइबर सुरक्षा और संबंधित प्रौद्योगिकियों पर सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए आई सी3आईहब (ब्3पभ्नइ) टीम ने बीएसपी का दौरा किया।

उल्लेखनीय है कि सी3आईहब (ब्3पभ्नइ) की स्थापना भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रवर्तित नेशनल मिशन ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम के तत्वाधान में 2020 में आईआईटी कानपुर में की गई है। सी3आईहब या (साइबर-फिसिकल सिस्टम) मुख्य रूप से साइबर-भौतिक प्रणालियों की साइबर सुरक्षा के मुद्दे को पूर्ण रूप से संबोधित करने के लिए की गई है। वार्ता के दौरान मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) असित साहा, मुख्य महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल), टी के कृष्ण कुमार, महाप्रबंधक प्रभारी (सी एंड आईटी) सुश्री सोनाली मुखर्जी और महाप्रबंधक (इनकॉस) रविशंकर उपस्थित थे। वार्ता में बड़ी संख्या में इनकॉस, सी एंड आईटी, टेलीकॉम और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। विदित हो कि भिलाई इस्पात संयंत्र और आईआईटी, कानपुर के सी3आईहब के बीच 27 जून, 2023 को साइबर सुरक्षा और संबंधित प्रौद्योगिकियों पर सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। सी3आईहब टीम ने बीएसपी की आईटी सेक्टर को साइबर हमलों से सुरक्षा प्रदान करने हेतु विभिन्न विभागों का भ्रमण कर मूल्यांकन किया।

सी3आईहब टीम का प्रतिनिधित्व कार्यक्रम निदेशक-सी3आईहब और आईआईटी-कानपुर में कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर, मणिंद्र अग्रवाल तथा मुख्य परिचालन अधिकारी (सी3आईहब) डॉ तनिमा हाजरा, और वरिष्ठ उपाध्यक्ष (आर एंड डी- सी3आईहब) रोहित नेगी ने किया। तकनीकी वार्ता के दौरान रोहित नेगी ने साइबर सुरक्षा के विभिन्न तत्वों और इसकी प्रासंगिकता का वर्णन किया। उन्होंने साइबर अटैक के प्रारंभिक व्यवहार्यता का अध्ययन, अटैक की सतह का मूल्यांकन, नियंत्रण को परिभाषित करने, नीति तैयार करने और सुरक्षा संचालन केंद्र और स्वचालित प्रतिक्रिया प्रणाली की स्थापना सहित प्रभावी साइबर सुरक्षा प्रथाओं की स्थापना में वृद्धि के लिए सी3आईहब के कदमों को स्पष्ट किया। सी3आईहब द्वारा प्रस्तुतीकरण के बाद, प्रश्न उत्तर सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें सी3आईहब (ब्3पभ्नइ) विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों के विभिन्न प्रश्नों का कुशलतापूर्वक उत्तर दिया गया।

2 जुलाई को होगा पीएटी और पीव्हीपीटी परीक्षा

सारंगढ़ बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा रविवार 02 जुलाई 2023 को सुबह 9 बजे से 12.15 बजे तक पीएटी और पीव्हीपीटी परीक्षा 2023 आयोजित की गई है। प्रवेश पत्र वेबसाइट व्यापम डॉट सीजीस्टेट डॉट जीओवी डॉट इन पर उपलब्ध है। परीक्षार्थियों को अपना एक या दो फोटोयुक्त मूल आईडी प्रूफ जैसे मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, आधार कार्ड, ई आधार कार्ड, पासपोर्ट, विद्यालय का फोटोयुक्त परिचय पत्र, फोटो युक्त अंकसूची मूलरूप में (फोटोकॉपी मान्य नहीं होगा) परीक्षा दिवस में परीक्षा केंद्र में लाना अनिवार्य है। मूल पहचान पत्र के अभाव में परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यदि इंटरनेट से प्राप्त प्रवेश पत्र पर फोटो नहीं आता है।

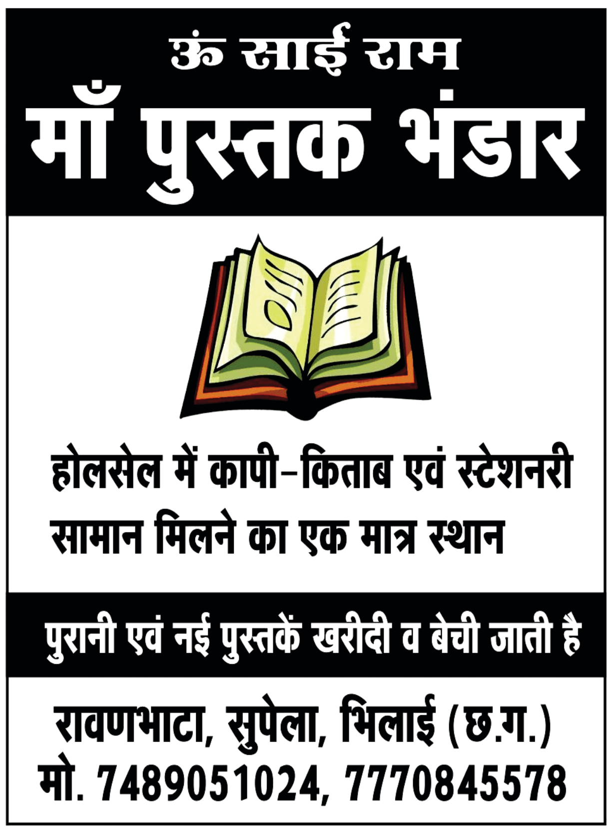

खास खबर...

मणिपुर में शांति व सौहाद्र के लिए गिरजाघरों में प्रार्थनाएं

रायपुर (ए)। मणिपुर में पिछले दो महीने से जारी हिंसा व नरसंहार को लेकर मसीही समाज काफी दुखी है। मणिपुर में शांति, सौहाद्र व भाईचारे की स्थापना को लेकर चर्चों में उपवास व प्रार्थनाएं की जाएंगी। छत्तीसगढ़ डायसिस के बिशप अजय उमेश जेम्स की अगुवाई में 30 जून को शाम साढ़े छह बजे से प्रदेश के सभी सीएनआई चर्चों में इसका आयोजन किया है। छत्तीसगढ़ डायसिस के सचिव नितिन लारेंस ने कहा कि आइये हम सब मिलकर मणिपुर में शांति व्यवस्था, स्थिति की बहाली हेतु पिता परमेश्वर से दुआ मांगे। डायोसिस ऑफ छत्तीसगढ़ के हम सभी मसीही विश्वासीजन उपवास के साथ मानवता, प्रेम एवं भाईचारे हेतु घुटने टेक कर पिता परमेश्वर के अनुग्रह को अपने देशवासियों के लिए प्रभु यीशु मसीह के नाम से प्राप्त करें। सभी कलीसियाओं के पासबानों से अनुरोध किया गया है कि उपवास प्रार्थना सभा हेतु आत्मिक रूप से तैयारी करें। संपूर्ण देश खासकर मणिपुर व छत्तीसगढ़ को अपनी प्रार्थनाओं में निरंतर स्मरण रखने की अपील की गई है।

पीएम मोदी की 7 को रायपुर में आमसभा

रायपुर (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतत: साढ़े चार साल बाद छत्तीसगढ़ का रुख कर लिया है। राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद उनका पहली बार रायपुर आना हो रहा है। पीएम की राजधानी रायपुर में 7 जुलाई को बड़ी आम सभा होगी। प्रधानमंत्री कार्यालय से इसकी सूचना मिलने पर प्रदेश भाजपा संगठन ने इसको लेकर तैयारी प्रारंभ कर दी है। आज शाम को प्रदेश भाजपा की बैठक में स्थान को लेकर फैसला किया जाएगा। साइंस कॉलेज मैदान या जोरा के मैदान में सभा कराई जाएगी। साइंस कॉलेज का मैदान छोटा पड़ सकता है, इसलिए जोरा के मैदान में सभा होने की संभावना ज्यादा है। सभा के लिए करीब एक लाख की भीड़ जुटाने का लक्ष्य रखा जाएगा।

केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने के मौके पर भाजपा का एक माह तक का कार्यक्रम चल रहा है। इसी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहले बुलाने की तैयारी थी। देश भर में 51 रैलियों की जो योजना बनाई गई थी, उसमें एक रैली छत्तीसगढ़ में कराने की तैयारी थी, लेकिन यह नहीं हो सका।

रक्षा मंत्री कल आएंगे रायपुर, नक्सल प्रभावित जिले में जनसभा को करेंगे संबोधित

दोपहर एक बजे पहुंचेंगे, फिर कांकेर के लिए रवाना होंगे

रायपुर (ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 1 जुलाई शनिवार को रायपुर आ रहे हैं। एयरपोर्ट पर कुछ देर रुकने के बाद वो सीधे कांकेर के लिए रवाना होंगे। नक्सल प्रभावित जिले में सियासी सभा करेंगे। राजनाथ सिंह बस्तर संभाग के कांकेर जिले में सुरक्षा बल के अफसरों स्थानीय भाजपा नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं।

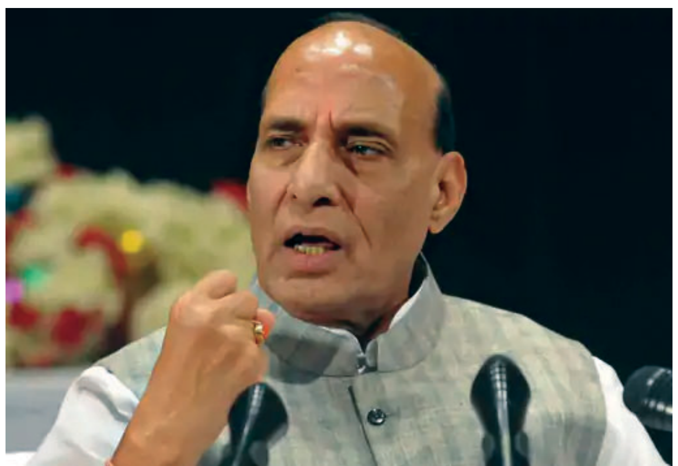

तय कार्यक्रम के मुताबिक राजनाथ सिंह शनिवार दोपहर दिल्ली से निकलकर विशेष विमान से स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचेंगे। दोपहर करीब 1:00 बजे के आसपास वो रायपुर पहुंचेंगे। यहां से BSF के हेलिकॉप्टर से कांकेर जाएंगे। कांकेर में नगर सैनिक ग्राउंड में रक्षा मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जा सकता है।

इसके बाद वह कांकेर के सर्किट हाउस में कुछ देर बिताने के बाद दोपहर 2:30 से 3:00 बजे के आसपास मेला भाटा ग्राउंड में आम सभा को संबोधित करेंगे। शाम 4:30 से 5:00 बजे के आसपास रायपुर लौटकर दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

राजनाथ सिंह का ये दौरा सुरक्षा के लिहाज से भी संवेदनशील है। इसलिए सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए हैं। राजनाथ सिंह के लिए ब्लैक कैट कमांडो की टीम तैनात रहेगी। इसके अलावा स्थानीय पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स भी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात किए जाएंगे। कांकेर जिला प्रशासन भी तैयारियों में जुटा है। स्थानीय भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को पूरे बस्तर संभाग से इस सभा में लोगों को जुटाने के काम पर लगाया गया है। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव, डॉ. रमन सिंह समेत तमाम बड़े नेता शामिल होंगे।

जहां कमजोर भाजपा वहां लगा रही ताकत

15 साल प्रदेश में शासन चलाने वाली भारतीय जनता पार्टी के पास आज 13 विधायक हैं। बस्तर संभाग में बुरी तरह से हार देख चुकी पार्टी प्रयास कर रही है दमदार वापसी की। यही वजह है कि बस्तर संभाग पर भाजपा का फोकस है। लगातार बड़े नेताओं का बस्तर दौरा जारी है। बीजेपी ने बस्तर संभाग की दो लोकसभा सीट और 12 विधानसभा सीटों पर ध्यान केंद्रित किया है। संगठन के बड़े नेताओं ने कई दिन बस्तर में बिताए अब राजनाथ की सभा भी यहां हो रही है। राजनाथ इस सभा में केंद्र सरकार की योजनाएं गिनवाकर वोटर्स का ध्यान खीचेंगे।

4 दिन पहले पाकिस्तान पर बोले सिंह - घुसकर मारेंगे

4 दिन पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जम्मू विश्वविद्यालय के जनरल जोरावर सिंह ऑडिटोरियम में सिक्योरिटी कॉन्क्लेव में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा कि भारत अब ताकतवर बनता जा रहा है। भारत सीमा के इस पार भी मार सकता है और जरूरत पड़ी तो सीमा के उस पार भी मार सकता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि उरी और पुलवामा की जो घटना थी, उस वक्त मैं ही गृह मंत्री था।

मैं PM की इच्छाशक्ति की सराहना करना चाहूंगा कि उन्होंने 10 मिनट के अंदर फैसला कर लिया। इसके बाद आपने देखा कि हमारे जवानों ने सीमा के इस पार ही नहीं बल्कि उस पार जाकर आतंकवादियों का सफाया करने में कामयाबी हासिल की। इसके साथ ही भारत ने दुनिया को ये मैसेज दिया कि भारत अब पहले जैसा भारत नहीं रहा। भारत अब ताकतवर बनता जा रहा है। भारत सीमा के इस पार भी मार सकता है और जरूरत पड़ी तो सीमा के उस पार भी मार सकता है।

कौन हैं ये कमांडो जो करते हैं रक्षा मंत्री की रक्षा

देश के रक्षा मंत्री समेत कई VVIP हस्तियों की सुरक्षा में तैनात कमांडो बेहद खास होते हैं। जो मुश्किल से मुश्किल परिस्थियों में भी लोगों की जान बचाते हैं। 26/11 के आंतकी हमले में इन्हीं जवानों ने मोर्चा संभाला था। होटल ताज में घुसकर आतंकियों को ढेर किया था। यह कमांडो सिर से पांव तक काले रंग के कपड़ों में ढके रहते हैं इसलिए इन्हें ब्लैक कैट कमांडो कहा जाता है।

टॉप लीडरशिप की निगाह छत्तीसगढ़ पर

चुनावी साल में भाजपा ने अपने बड़े नेताओं को छत्तीसगढ़ में तैनात कर दिया है। बीते 22 जून को गृहमंत्री अमित शाह का दौरा हुआ था। आज राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा भी बिलासपुर पहुंच रहे हैं। जुलाई के पहले सप्ताह में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी रायपुर आ सकते हैं। बीते बुधवार 28 जून को दिल्ली में पीएम मोदी के आवास में एक मीटिंग भी हुई। इसमें MP, CG और राजस्थान को लेकर खास चर्चा भी हुई क्योंकि इन राज्यों में चुनाव हैं।

आज के बच्चे कल का भविष्यः जिनेश शास्त्री

सिद्ध चक्र महामण्डल विधान मे चढ़ाये गए 256 अर्घ

रायपुर (ए)। सिद्धचक्र महामण्डल विधान के चौथे दिन गुरुवार सुबह 7 बजे श्रीजी का अभिषेक एवं 4 कलशो सें शांतिधारा कर विधान प्रारम्भ किया गया। ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष संजय जैन नायक एवं सचिव राजेश रज्जन जैन ने बताया की आज के सिद्ध चक्र महामंडल विधान मे कुल आज 256 अर्घ चढ़ाये गए।

विधानाचार्य ब्र. जिनेश शास्त्री ने अपने उदबोधन मे कहा की आज के बच्चे कल का भविष्य है। भारतीय परम्परा मे संतान की उत्पत्ति उत्कृष्ट साधना का फल है। वर्तमान मे भोगो को प्रचूरता के साथ संतान को नहीं चाहने की इच्छा पशुता की ओर ले जाती है। आज से 50 साल पहले हार माता पिता 5 सें ऊपर सन्तानो को जन्म देती थी जो की ईश्वर का वरदान था। परन्तु आज के पढ़े लिखें युवा अपनी शारीरिक सुंदरता को बनाये रखने के लिए पुत्र को जन्म न देकर भोग विलासता की ओर बढ़ती जा रही है जो भारतीय संस्कृति के लिए उसके उथान विकास के लिए अभिशाप है। आज का युवक युवतियां सोचते है की महंगी पढ़ाई आवास भोजन आदि की व्यवस्था कैसे होंगी। भारतीय संस्कृति हो या जैन संस्कृति दोनों मै ही कर्तित्व भाव अहम् भाव का निषेध किया है। हमारे ऋषि मुनियो ने कहा है जिसने मुख दिया है अर्थात चोंच दि है वही दाना अर्थात भोजन देगा। हम जगत के करता धर्ता न बने। कर्तव्य भाव सें भारतीय संस्कृति को समृद्ध करने के लिए अधिकनसे अधिक संतान को जन्म दे। अथवा संयम साधना सें रहे। भगवान राम जब तक 14 वर्ष वनवास मे रहे संयम साधना सें रहे। जब अयोध्या वापस आये तब उन्होंने उस साधना का फल लव और कुश को जन्म देकर भारतीय संस्कृति को बल वीर्य सें सहित पुत्रो को जन्म देकर यह सिद्ध किया था की तप और साधना का फल उत्कृष्ट संतान को जन्म देता है। अतएव आज भारतीय समाज इसपर विचार करें और राम कृष्ण महावीर ऋषभ देव जैसे पुत्रो को जन्म देने के लिए संकल्पित हो।

30 जून को को सुबह प्रतिदिन की तरह सुबह 7 बजे अभिषेक शांतिधारा विधान सभी के लिए वात्सल्य भोज एवं शाम 7.30 बजे आरती व प्रवचन प्रश्न मंच तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम मे मोक्ष सीढ़ी का आयोजन ममता जैन द्वारा किया गया है।

जेपी नड्डा के छत्तीसगढ़ आने से भाजपा की हो जाएगी जमानत जब्तः कांग्रेस

रायपुर (ए)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के छत्तीसगढ़ आगमन पर तंज कसते हुए कहा कि जेपी नड्डा अब छत्तीसगढ़ में भाजपा की बची 13 सीटों पर भी जमानत जप्त कराने के अभियान में है भाजपा के

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा हिमाचल में भाजपा की लुटिया डूबा दी कर्नाटक में सुपड़ा साफ करवा दी अब छत्तीसगढ़ में बची खुची सीटों में भी भाजपा को हराकर भाजपा की बेड़ागर्क करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विधानसभा के आम चुनाव को देखते हुए मोदी सरकार के मंत्री और भाजपा के केंद्रीय नेता जोर आजमाइश कर रहे हैं। लेकिन भाजपा नेताओं के पास जनता को बताने कोई योजना नहीं है कोई रोडमैप नही है सिवाय जुमला बाजी नफरती भाषण वैमनस्यता हिंदू-मुस्लिम और गुमराह करने के अलावा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 15 साल तक भाजपा की सरकार थी जो छत्तीसगढ़वासियों के साथ वादाखिलाफी किया है बीते 9 साल में मोदी की सरकार है जिसका चरित्र वादाखिलाफी करना है देश और प्रदेश की जनता मोदी भाजपा नेताओं के चरित्र को पहचानती है।

जल बचाने नरवा योजना अच्छा प्रयास, जल संकट से निपटने खेतों में मेड़ बनाएं : उमाशंकर पाण्डेय

पद्मश्री उमाशंकर पाण्डेय ने की नरवा योजना की तारीफ

रायपुर (ए)। जल योद्धा सम्मान से सम्मानित पद्मश्री उमा शंकर पांडेय ने कहा कि जल संकट से निपटने के लिए खेतों पर मेड़ बनाए। साथ ही मेड़ के ऊपर अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। जल ग्राम जखनी उत्तर प्रदेश के मेड़बंदी यज्ञ अभियान के संस्थापक पद्मश्री पांडेय ने रायपुर पहुंचकर यहां के जल स्त्रोतों का भ्रमण कर कहा कि छत्तीसगढ़ में जल स्त्रोतों की स्थिति अच्छी है। यहां चलाई जा रही नरवा गरवा घुरवा बाडी योजना जल संरक्षण एवं पर्यावरण के लिए

अच्छा प्रयास है। उन्होंने कहा कि कई देश जल संकट से जूझ रहे हैं। ऐसी स्थिति में जल का संरक्षण एवं संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। यह कार्य सरकार के साथ समाज का भी है। वर्षा जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण जरूरी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे उपाय किए जाएं, जिससे कि वर्षा जल की एक भी बूंद बरबाद नहीं होना चाहिए। इसके लिए घरों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जरूरी किया जाए। खेतों पर ऊंची मेड़ बनाकर खेतों का पानी खेतों में रोका जाए। साथ ही पर्यावरण संतुलन एवं वर्षा के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाएं। जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखा जाए। रायपुर में जल स्त्रोतों के भ्रमण के दौरान जलाशयों के रख रखाव एवं स्वच्छता की सराहना की। उन्होंने सेंध लेक नवा रायपुर, विवेकानंद सरोवर, रायपुर, खारुन नदी सहित कई जलाशयों का भ्रमण किया। इस दौरान सदस्य सचिव छत्तिसगढ़ राज्य बायोडायवर्सिटी बोर्ड अरुण कुमार पांडेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के अनेक कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि जलाशयों के व्यवस्थित रखरखाव एवं स्वच्छता के यहां बेहतर प्रयास किए गए है।

यूरिया सब्सिडी योजना जारी रहेगीः भाजपा

किसानों के हित में मोदी सरकार का क्रांतिकारी कदमः साव

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने नरेन्द्र मोदी सरकार के किसानों को करों और नीम कोटिंग शुल्कों को छोड़कर 242 रुपये प्रति 45 किलोग्राम की बोरी की समान कीमत पर यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यूरिया सब्सिडी योजना को जारी रखने की मंजूरी देने का स्वागत करते हुए इसे किसानों के हित में क्रांतिकारी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के हमारे किसानों को इस का लाभ मिलेगा।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पैकेज में तीन वर्षों (2022-23 से 2024-25) के लिए यूरिया सब्सिडी को लेकर लगभग 3.70 लाख करोड़ रुपये आवंटित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। यह पैकेज हाल ही में अनुमोदित 2023-24 के खरीफ मौसम के लिए 38,000 करोड़ रुपए की पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) के अतिरिक्त है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के इस निर्णय से किसानों को यूरिया की खरीदी के लिए अतिरिक्त खर्च करने की आवश्यकता नहीं होगी और इससे उनकी इनपुट लागत को कम करने में मदद मिलेगी। वर्तमान में नीम कोटिंग शुल्क और लागू करों को छोड़कर यूरिया की एमआरपी 242 रुपये प्रति 45 किलोग्राम यूरिया की बोरी है जबकि बैग की वास्तविक कीमत लगभग 2200 रुपए है। यह योजना पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा बजटीय सहायता के माध्यम से वित्तपोषित है। यूरिया सब्सिडी योजना के जारी रहने से यूरिया का स्वदेशी उत्पादन भी अधिकतम होगा। लगातार बदलती

भू-राजनीतिक स्थिति और कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के कारण, पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर उर्वरक की कीमतें कई गुना बढ़ रही हैं लेकिन किसानों की हितैषी नरेन्द्र मोदी सरकार ने उर्वरक सब्सिडी बढ़ाकर अपने किसानों को उर्वरक की अधिक कीमतों से बचाया है। हमारे किसानों की सुरक्षा के अपने प्रयास में, भारत सरकार ने उर्वरक सब्सिडी को 2014-15 में 73,067 करोड़ रुपए से बढ़ा कर 2022-23 में 2,54,799 करोड़ रुपए कर दिया है।

उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने ये भी निर्णय लिया है कि 2025-26 तक 195 एलएमटी पारंपरिक यूरिया के बराबर 44 करोड़ बोतलों की उत्पादन क्षमता वाले आठ नैनो यूरिया संयंत्र चालू हो जाएंगे। इससे जमीन के पोषक तत्वों की क्षमता बढ़ती है और किसानों की लागत भी कम आती है। नैनो यूरिया के उपयोग से फसल उपज में वृद्धि हुई है।

साव ने बताया कि वर्ष 2018 से 6 यूरिया उत्पादन यूनिट, चंबल फर्टिलाइजर लिमिटेड, कोटा राजस्थान, मैटिक्स लिमिटेड पानागढ़, पश्चिम बंगाल, रामागुंडम-तेलंगाना, गोरखपुर-उत्तर प्रदेश, सिंदरी-झारखंड और बरौनी-बिहार की स्थापना और पुनरुद्धार से देश को यूरिया उत्पादन और उपलब्धता के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिल रही है। यूरिया का स्वदेशी उत्पादन 2014-15 के 225 एलएमटी के स्तर से बढ़कर 2021-22 के दौरान 250 एलएमटी हो गया है। 2022-23 में उत्पादन क्षमता बढ़कर 284 एलएमटी हो गई है। नैनो यूरिया संयंत्र के साथ मिलकर ये यूनिट यूरिया में हमारी वर्तमान आयात पर निर्भरता को कम करेंगे और 2025-26 तक हम आत्मनिर्भर बन जाएंगे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

• जीन्स
• टी-शर्ट
• शर्ट
• ट्राउजर
भारत जीन्स
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेंडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

चेहरे पर फाउंडेशन सही तरीके से कैसे लगाएं?

मेकअप एक आर्ट है और इसे कभी भी जल्दबाजी में नहीं करना चाहिए। फाउंडेशन चेहरे का बेस होता है और इस बेस मेकअप पर दूसरे कई और प्रोडक्ट अप्लाई किए जाते हैं। ऐसे में अगर बेस सही नहीं होगा तो इसके ऊपर लगा सारा मेकअप भद्दा नजर आएगा। अगर आप प्रोफेशनल लुक चाहती हैं तो आपको लिक्विड फाउंडेशन लगाने के तरीके के साथ यह भी जानना होगा कि फाउंडेशन लगाने से पहले और बाद में किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

इन स्टेप्स को फॉलो करते हुए लगाएं लिक्विड फाउंडेशन, चेहरा दिखेगा बेहद खूबसूरत

सबसे पहले स्किन मॉश्चराइज करें

फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे को धो ले और उसे मॉश्चराइज करें। अगर आपकी स्किन ऑयली हो तो ऑयल फ्री मॉश्चराइजर का यूज करें। मॉश्चराइजिंग हर स्किन के लिए जरूरी है और सबसे जरूरी स्टेप है।

प्राइमर को कभी न करें नजर अंदाज

मॉश्चराइज करने के बाद स्किन मेकअप के लिए तैयार हो जाती है। अब फाउंडेशन लगाने से पहले दूसरा सबसे जरूरी काम है स्किन पर प्राइमर लगाना। प्राइमर मटर के दाने के बराबर लेकर इसे चेहरे और गर्दन पर अच्छे से लगाएं। प्राइमर स्किन को फाउंडेशन के लिए तैयार करती है और इसे लगाने से फाउंडेशन आसानी से एक समान स्किन पर लगता है। एक तरह से प्राइमर पटरी की तरह होता है, जिस पर फाउंडेशन नुमा रेल चलती है। प्राइमर न लगाया जाए तो इससे फाउंडेशन का बैलेंस बिगड़ने का खतरा रहेगा। ये कहीं कम तो कहीं ज्यादा लग जाएगा।

स्किन कैरेक्टर का करें यूज

प्राइमर के बाद बारी आती है स्किन कैरेक्टर की। अगर आपकी स्किन पर दाग-धब्बे हैं या स्किन का कलर कहीं गहरा तो कहीं हल्का है, तब इसे लगाना चाहिए। अगर स्किन पर दाग हैं तो आपको ग्रीन कलर कैरेक्टर लगाना चाहिए और अगर स्किन पर डार्कनेस है तो पिंक कलर कैरेक्टर लगाएं। इसे प्रभावित स्किन पर लगाएं और थपथपाते हुए स्किन में मिलाएं। याद रखें इसे रगड़ें नहीं।

अब इस तरह से लगाएं फाउंडेशन

कैरेक्टर के बाद बारी आती है फाउंडेशन की। लिक्विड फाउंडेशन को पहले अपने हाथ में लें और इसके बाद इसे डॉट-डॉट कर पूरे चेहरे पर लगाएं। अब एक ब्रश से फाउंडेशन को अच्छी तरह पूरी स्किन पर फैला लें। अब एक ब्यूटी ब्लैंडर को हल्का गीला करें और अच्छी तरह पानी निचोड़ कर उसे स्किन पर थपथपाएं। याद रखें इसे रगड़ने या फैलाने का काम न करें। इससे फाउंडेशन हट जाएगा। इसे केवल थपथपाते हुए पूरे चेहरे पर ब्लैंड करें। इससे फाउंडेशन अच्छी तरह स्किन में मिक्स हो जाएगा।

ब्लैंड के लिए ब्रश या ब्यूटी ब्लैंडर

अगर आप लिक्विड फाउंडेशन यूज कर रही हैं तो आपको इसे स्किन पर फैलाने के लिए ब्रश की मदद लेनी चाहिए, लेकिन ब्लैंड करने के लिए हमेशा ब्यूटी ब्लैंडर का यूज करें। ब्रश से इसे ब्लैंड करने से स्किन पर इसके निशान रह जाएंगे।

फाउंडेशन के बाद हाईलाइटर का करें प्रयोग

अब फाउंडेशन लगने के बाद बेस तो बन गया लेकिन बेस कंप्लीट नहीं हुआ। बेस कंप्लीट करने के लिए आपको अपनी स्किन टोन से एक टोन लाइट फाउंडेशन अपनी आई सर्कल, मुंह के आसपास और बिंदी लगाने वाली जगह पर अप्लाई करना होगा। इससे आंख और मुंह के आसपास के एरिया के डार्कनेस को कम करने के साथ उसे हाईलाइट किया जा सकता है। इसे भी ऐसे अप्लाई और ब्लैंड करना है जैसे आपने फाउंडेशन किया है। अब बनाना पाउडर या फेस पाउडर लगा कर इसे एकसार कर लें।

फाउंडेशन लगाते समय होने वाली गलतियां

- फाउंडेशन लगाने से पहले स्किन को मॉश्चराइज न करना।
- प्राइमर न लगाकर सीधे स्किन पर फाउंडेशन अप्लाई करना।
- फाउंडेशन को बहुत ज्यादा ब्लैंड करना या न करना।
- फाउंडेशन को रगड़ते हुए ब्लैंड करना।
- फाउंडेशन को ऊपर से नीचे की ओर ब्लैंड करना। इसे हमेशा नीचे की ओर ब्लैंड करें।
- फाउंडेशन लगाने के बाद बनाना पाउडर लगा कर इसे सेट न करना।
- फाउंडेशन लगाने के लिए बहुत ही धैर्य के साथ इसे ब्लैंड करना चाहिए, क्योंकि इसकी खूबसूरती तभी निखरती है।

दो सीढ़ियां चढ़कर हांफने लगते हैं तो जरूर करें यह काम

हम सभी के साथ ऐसा कभी ना कभी जरूर होता है, जब दूसरे फ्लोर तक सीढ़ियों से जाने के बाद ही हमारे दिल की धड़कनें बढ़ जाती हैं और हमारी सांस फूलने लगती है। इस तरह की समस्या से आमतौर पर महिला और पुरुष दोनों ही गुजरते हैं लेकिन महिलाओं में यह समस्या अपेक्षाकृत अधिक देखी जाती है...

सीढ़ियां चढ़ने पर क्यों हांफने लगते हैं?

सीढ़ियां चढ़ते समय थकान होना बहुत सामान्य घटना है अगर आपको तीसरे या चौथे फ्लोर पर जाने के बाद इस तरह की समस्या का अनुभव हो। लेकिन यह भी बहुत ही सीमित मात्रा में होना चाहिए। क्योंकि चौथे फ्लोर तक जाना या पांचवे फ्लोर तक जाना और बहुत अधिक थकान का अनुभव ना करना, एक स्वस्थ शरीर की निशानी है।

फिटनेस की बात करें तब भी सीढ़ियां चढ़ने और उतरने से हमारे शरीर की कैलरी खर्च होती हैं और फैट पिघलता है। इस कारण हमें अधिक ऊर्जा लगानी होती है और हमें थकान का अनुभव होता है। लेकिन अगर दो फ्लोर चढ़कर ही आपको थकान होने लगती है तो यह अच्छे संकेत नहीं हैं। यह आपके शरीर में छिपी कमजोरी को दिखाती है।

सांस लेने में दिक्कत होना

कोई बहुत मेहनत का काम करने के बाद सांस फूलना एक सामान्य घटना है लेकिन अगर दो फ्लोर चढ़कर ही आपको सांस लेने में दिक्कत होने लगती है तो इसका अर्थ है कि आपका हृदय पूरी तरह स्वस्थ नहीं है। इसलिए अपने कमजोर होते हृदय को बीमार होने से बचाने के लिए अपनी सेहत का ध्यान रखें।

क्योंकि यह स्थिति शरीर में चुपके से पनप रही बीमारियों का प्रारंभिक संकेत हो सकती है। कई बार यह समस्या इसीलिए भी होती है कि हम बहुत अधिक आलस्य युक्त जीवन (लेजी लाइफस्टाइल) जी रहे हैं। इस कारण भी दो सीढ़ियां चढ़ते ही सांस फूलने की दिक्कत होती है।

आपको जो करना है...

कुछ लोगों को सीढ़ियां चढ़ने के बाद सिर भारी होना, सिर घूमना या आंखों के आगे धुंध आना जैसी समस्याएं होती हैं। अगर आपके साथ भी इस तरह की समस्या हो रही है तो आपको डॉक्टर से तुरंत सलाह लेनी चाहिए। क्योंकि यह स्थिति शरीर में किसी गंभीर बीमारी का संकेत है।

साथ ही अपनी डायट का पूरा ध्यान रखें। इस बात का पता लगाएं कि क्या आपके भोजन से आपको पूरा पोषण मिल रहा है? क्योंकि जब शरीर को पूरा पोषण नहीं मिलता है तब शरीर में कमजोरी रहती है और कई रोग पनपने लगते हैं, जिनके कारण सांस फूलना और थकान जैसी समस्या होती है। -आपको इस बात को सुनिश्चित करना होगा कि लॉकडाउन या कोरोना के कारण आपकी शारीरिक गतिविधियां कम ना हों। आप घर की इन सीढ़ियों पर हर दिन चक्कर लगाकर भी खुद को ऐक्टिव रख सकते हैं। योग कर सकते हैं, घर के आंगन या छत पर वॉक कर सकते हैं।

बिना पकाए कभी ना करें इन सब्जियों का सेवन, सेहत को होगा बड़ा नुकसान

अच्छा खानपान ही अच्छी सेहत का राज होता हैं। सही आहार को सही समय और सही तरीके से खाया जाए तो सेहतमंद और स्वस्थ रहा जा सकता हैं। लेकिन अधूरी जानकारी के चलते अक्सर हम कुछ चीजों का सेवन गलत तरीके से कर बैठते हैं जिस वजह से वे फायदा पहुंचाने की जगह नुकसान पहुंचाती हैं। आज इस कड़ी में हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनका सेवन अच्छी तरह से पकाने के बाद ही करना चाहिए। इन सब्जियों को कच्चा खाने से नुकसान होता है। तो आइये जानते हैं इनके बारे में।

ग्वार की फलियां

ग्वार की फलियों का सेवन अच्छी तरह से पकाकर ही करना चाहिए। ग्वार की फलियों को कच्चा खाने से स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव पड़ने लगता है। ग्वार की फलियां स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती हैं, अगर इन्हें अच्छे से पकाकर खाया जाए।

आलू

कच्चे आलू के सेवन से परहेज करना चाहिए। कच्चा आलू खाने से गैस, उल्टी, सिर दर्द और पाचन से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। आलू का सेवन करने से पहले उसे अच्छी तरह से पका लेना चाहिए। आलू का इस्तेमाल लगभग हर सब्जी में होता है।

गोभी और ब्रोकली

गोभी और ब्रोकली का सेवन अच्छी तरह से पकाने के बाद ही करना चाहिए। इन सब्जियों का सेवन कच्चा करने से नुकसान होता है। गोभी और ब्रोकली को कच्चा खाने से पेट में गैस और अपच की समस्या हो सकती है।

राजमा, बीन्स

राजमा और बीन्स का सेवन अच्छी तरह पकाकर ही करें। इन चीजों को कच्चा खाने से उल्टी, दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। राजमा को पकाने से पहले कम से कम 5 घंटे तक भिगोकर रखना चाहिए।

कई तरह के होते हैं आईलाइनर, जानिए आपकी आंखो के लिए कौन सा है बेस्ट

सुंदर आंखें आपके चेहरी की सुंदरता को कई गुना बढ़ा देती हैं, तभी तो आजकल लड़कियां आई मेकअप पर बहुत ध्यान देती हैं। काजल के साथ ही यदि आई मेकअप में कोई और चीज़ सबसे अहम है तो वह है आईलाइनर। आजकल मार्केट में तरह-तरह के आईलाइनर उपलब्ध में, ऐसे में शायद आप कन्फ्यूज़ हो सकती हैं कि कौन सा लाइनर आपके लिए बेस्ट होगा। आपकी कन्फ्यूज़न दूर करने लिए हम आपको बताने जा रहे हैं अलग-अलग तरह के लाइनर और उसके इस्तेमाल के बारे में।

पेंसिल आईलाइनर

पेंसिल या काजल लाइनर बेसिक आईलाइनर है जिससे शायद हर किसी ने लाइनर लगाने की शुरुआत की होगी। यदि आपको लाइनर लगाने नहीं आता और सीखने की कोशिश कर रही हैं, तो आपके लिए पेंसिल लाइनर ठीक रेहगा। ध्यान रहे यदि लाइनर लगाते समय आपका हाथ बहुत हिलता है तो नुकीली पेंसिल की बजाय गोल नोक वाली पेंसिल लें, इससे लगाते वक्त पेंसिल के आंखों में चुभने का डर नहीं रहेगा।

लिक्विड लाइनर

जब आप लाइनर लगाने में परफेक्ट हो जाएं तो लिक्विड लाइनर खरीद सकती हैं। जिन लोगों को विंग लाइनर लगाना पसंद होता है, उनके लिए भी लिक्विड लाइनर बेस्ट है। हालांकि लिक्विड लाइनर के ब्रश को परफेक्टली इस्तेमाल करने के लिए आपको थोड़ी प्रैक्टिस करनी होगी। ये लाइनर आपके तीखे नैनों के सपने को पूरा करता है। यदि आप चाहती हैं कि लाइनर पूरे दिन टिका रहे तो वॉटरप्रूफ लाइन खरीदें।

जेल लाइनर

यह आईलाइनर लिक्विड और पेंसिल लाइनर से अलग होता है। एक छोटे से बॉक्स में काजल और पतला ब्रश होता है, ब्रश की मदद से आईलाइनर लगाना होता है। वैसे इसे लगाना लिक्विड लाइनर से आसान है। वैसे तो ये लाइनर आप आसानी से लगा सकती हैं, लेकिन आपकी स्किन यदि बहुत ऑयली है तो इसे न लगाएं, क्योंकि जेल फैल जाएगा और फिर खूबसूरती बढ़ने की बजाय बिगड़ सकती हैं।

फेल्ट टिप लाइनर

आपने मार्कर पेन तो देखा ही होगा। यह लाइनर बिल्कुल मार्कर पेन की तरह दिखता है और आप इसे बहुत ही आराम से लगा सकती हैं। परफेक्ट 'विंग' वाला लाइनर चाहिए तो आपको इसी लाइनर का इस्तेमाल करना चाहिए, क्योंकि यह बहुत जल्दी सूख जाता है, जबकि लिक्विड लाइनर को सूखने में थोड़ा वक्त लगता है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

भेंट मुलाकात कार्यक्रम की घोषणाओं पर अमल, भवन निर्माण के लिए 9 करोड़ 25 लाख रुपए की स्वीकृति

बिलासपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत दिनांक 11,12 और 13 मई को बिलासपुर जिले में की गई घोषणाओं पर आदेश जारी किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने बिलासपुर जिले के 43 समाजों को 9 करोड़ 25 लाख रुपए की स्वीकृति आदेश जारी कर दिए हैं। नगर विधायक शैलेष पांडेय ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार सभी वर्गों का ख्याल रखते हुए विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है। जिला बिलासपुर में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने विभिन्न समाजों को भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की थी जिसके तहत सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर दिया है जिसके लिए बिलासपुर की जनता की ओर से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का हृदय से धन्यवाद देते हैं।

मोबाईल लूटेरे को पकड़वाने वाली सोनिया को पुलिस ने किया सम्मानित

रायपुर। कुछ दिनों पहले राजधानी के न्यू राजेन्द्र नगर में एक मोबाईल लूटने के प्रयास को असफल कर लूटेरे को पकड़वाने वाली बच्ची सोनिया बंशी को पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया है। बता दे कि दिनांक 26 जून को सी-54, सेक्टर - 02 बजाज कालोनी न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर में रहने वाली सोनिया बंशी जो शाम लगभग सात बजे अपने मोहल्ले की सड़क में टहल रहीं थी। इसी दौरान एक लड़का काला व बैंगनी रंग का शर्ट पहने हुये सोनिया के सामने तेजी से आया और उसके हाथ में रखे मोबाईल को झपट्टा मारकर लूटने का प्रयास करने लगा किंतु सोनिया ने अपना मोबाईल मजबूती से पकड़े रखा था जिसके चलते लूटेरा मोबाईल नहीं लूट पाया और सोनिया ने उसे वहीं गिरा दिया जिस पर आस-पास मौजूद लोगों ने आरोपी दीपक बघेल को पकड़ लिया तथा पुलिस के हवाले कर दिया था। जिस पर थाना न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। इस तरह से सोनिया बंशी ने बहादुरी से कार्य करते हुये आरोपी द्वारा की जाने वाली लूट की घटना को नाकाम किया। जिसे देखते हुए पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय यादव ने सोनिया बंशी द्वारा बहादुरी से किये गये इस कार्य की प्रशंसा की एवं सोनिया बंशी को अपने कार्यालय में बुलाकर सम्मान करते हुये प्रशस्ति - पत्र प्रदान करने के साथ ही उसके उज्जवल भविष्य की कामना की गई, जिससे आम जनता इस बहादुर बच्ची के कार्य से प्रेरित हों एवम उनके बीच यह संदेश पहुंचे और आम जनता सदैव रायपुर पुलिस का सहयोग करें।

रामानुजनगर आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल तब और अब

सूरजपुर। मुख्यमंत्री के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण इलाकों के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को अच्छी व गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्रदान करने के लिए स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की स्थापना किया जा रहा है। रामानुजनगर विकासखंड मुख्यालय में भी स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) रामानुजनगर इस सत्र में शुरुआत किया जा रहा है। इसके संचालन के लिए पुराने भवन को आधुनिक तरीके से मरम्मत व सुसज्जित किया जा रहा है। स्कूल का मरम्मत रंग रोगन ,साज सज्जा अंतिम चरण में है। कलेक्टर संजय अग्रवाल रामानुजनगर भ्रमण के दौरान निर्माण व मरम्मत कार्य की प्रशंसा करते हुए तत्काल पूर्ण करने का निर्देश दिया। निर्माण एजेंसी के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि एक सप्ताह में कार्य पूर्ण कर स्कूल संचालन के लिए हैंडओवर कर दिया जाएगा। इस स्कूल के प्रारंभ होने से ग्रामीण क्षेत्र के पलकों, विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल बना हुआ है। सभी कक्षा में स्वीकृत सीट के विरुद्ध शत-प्रतिशत नामांकन का कार्य पूर्ण हो चुका है। 01 जुलाई 2023 से नियमित कक्षा प्रारंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री महोदय की शिक्षा के क्षेत्र में स्कूलों के सुदृढ़ीकरण के लिए महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री शाला जतन योजना के तहत सभी विद्यालयों का मरम्मत, रंग रोगन कराया जा रहा है, इसके तहत पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर में भी शाला जतन योजना अंतर्गत मरम्मत व आकर्षक रंग रोगन कराया गया है, जिसका अवलोकन कलेक्टर संजय अग्रवाल के द्वारा किया गया।

बूथ चलो अभियान:

सीएम बघेल ने कार्यकर्ताओं को समझाई अभियान की महत्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पूरी तरह से एक्शन मोड पर है। इसी कड़ी में माइक्रो बूथ मैनेजमेंट के तहत दुर्ग संभाग से बूथ चलो अभियान की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अन्तर्गत नगर पंचायत उतई और ग्राम खम्हरिया में आयोजित बुथ चलो अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को चुनावी टिप्स दिए और अभियान की महत्ता समझाई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि पूरे प्रदेश में बूथ चलो अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

बूथ कमेटी के पदाधिकारियों से पूरी एकजुटता से कांग्रेस की विचारधारा एवं कांग्रेस सरकार के कामों को जन-जन तक ले जाने एवं आने वाले चुनाव में एक बार फ़िर से कांग्रेस की सरकार बनाने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांग्रेस संगठन की सबसे छोटी इकाई गांव गांव में बने बूथ कमेटी है जिसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी घर घर सरकार के कामों और योजनाओं को पहुंचने के साथ ही मोदी सरकार के नौ साल विफ्लताओं को रखने की है।

इस दौरान उन्होंने बुथ अध्यक्ष, जोन प्रभारी एवं सेक्टर प्रभारी से संगठन और सरकार की काम काज को लेकर सावल भी किए जिसे कार्यकर्त्ताओं ने मुख्यमंत्री का सवाल का जवाब भी दिया। उन्होंने आगे कहा कि महिला,युवा संगठन को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न सुझाव दिए बुजुर्गो,महिलाओं और युवाओं को अधिक अधिक बुथ में जोड़े साथ ही उन्होंने आगे कहा की राज्य शासन के योजनाओं को जन-जन तक पहुंच तथा केंद्र सरकार के विफ्लताओं को गिनाना हमारा दायित्व है। हमारी सरकार जन-जन के हितों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया है। ऐसे में हम सब की जिम्मेदारी है कि हमारी सरकार की योजनाओं का हम व्यापक प्रचार प्रसार करें।

उन्होंने ज्यादा से ज्यादा इंटरनेट सोशल मीडिया के माध्यम केंद्र सरकार के विफ्लता को जन-जन तक पहुंचाने खासकर महंगाई के मुद्दे, पैट्रोल डीजल दाम, भ्रष्टाचार,किसान आंदोलन, नीजि करण तथा उज्ज्वला योजना के विफ्लता को हम आम जनता तक पहुंचाकर केंद्र सरकार के नाकामियों को गिना सकते हैं।

कार्यक्रम की शुरुवात छत्तीसगढ़ महतारी एवं राष्ट्र पिता महात्मा गांधी के तैलचित्र की पूजा अर्चना कर राजकीय गीत से बुथ चलो अभियान की शुरुवात की गई । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि पूरे प्रदेश में बूथ चलो अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत मुझे दुर्ग ग्रामीण विधानसभा का प्रभारी बनाया गया है, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने टीएस सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने पर कहा कि टीएस सिंह देव को बधाई उनको शुभकामनाएं उनको उप मुख्यमंत्री बनाया गया है, बाबा हमारे वरिष्ठ साथी है हाईकमान का निर्देश हुआ है, इससे निश्चित रूप से कांग्रेस और सरकार को मजबूती मिलेगी, दूसरी तरफ कल कांग्रेस के केंद्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़के की अध्यक्षता में बैठक हुई है, जिसमें मलिकार्जुन खरगे राहुल गांधी ने आगामी चुनाव के लिए सबको साथ लेकर चलने और दोबारा सरकार बनाने की बात कही बूथ को मजबूत करना जरूरी है और नई ऊर्जा के साथ हम पूरे प्रदेश में चुनाव लड़ेंगे और तीन चौथाई बहुमत के साथ हमने पिछले वर्ष सरकार बनाई थी उससे भी ज्यादा सीटो पर हम इस बार विजयी होंगे।

सिंहदेव के अंबिकापुर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। डिप्टी सीएम बनाए जाने के ऐलान के बाद टीएस सिंहदेव गुरुवार रात अंबिकापुर पहुंचे। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोर-शोर से स्वागत किया। उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया गया और जमकर आतिशबाजी की गई। इस दौरान टीएस सिंहदेव ने कार्यकर्ताओं को इस विधानसभा चुनाव में जीत के मंत्र भी दिए।

सुबह सिंहदेव ने पैलेस जाकर कुल देवता और कुलदेवी मां महामाया का आशीर्वाद लिया। गुरुवार की देर रात करीब 12 बजे सड़क मार्ग से अंबिकापुर पहुंचे। इस दौरान जगह-जगह कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। रात में ही सीधे वे अंबिकापुर स्थित कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने कंधे पर उठाकर टीएस बाबा जिंदाबाद के नारे लगाए। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में सरगुजा संभाग की 14 सीटों पर हमने जीत दर्ज की थी। पिछली बार जय वीरू की जोड़ी चल गई थी, अब काका-बाबा चल रहा है, लेकिन इस बार काका बाबा से काम नहीं चलेगा। हम दोनों मिलकर सभी 23000 बूथों पर नहीं जा सकते, इसलिए कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करना होगा, इसके बाद जीत मिलनी निश्चित है।

कुलदेवता और कुलदेवी का लिया आशीर्वाद

शुक्रवार की सुबह छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री एवं डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने सरगुजा पैलेस पहुंचकर कुलदेवता और कुलदेवी मां महामाया का आशीर्वाद लिया। उसके बाद उन्होंने गुरुद्वारा जाकर मत्था भी टेका। पूजा-अर्चना करने के बाद टीएस सिंहदेव सड़क मार्ग से रायपुर के लिए रवाना हो गए।

जिले में 2 लाख 12 हजार 815 से अधिक लोगों का बनाया गया आयुष्मान कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

मनेंद्रगढ़। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना व डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत जिले के सभी विकासखंडों के नगरीय निकाय व ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष्मान कार्ड पंजीयन के लिए अभियान चलाया जा रहा है। सभी राशन कार्ड दुकानों, ग्राम पंचायतों व स्वास्थ्य केन्द्रों में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिले में कुल 3 लाख 62 हजार 604 लोगों में से 2 लाख 12 हजार 815 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया है। बाक़ी बचे हुए नागरिकों का आयुष्मान कार्ड पंचायतस्तरीय शिविर लगाकर बनाया जा रहा है।

कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में जनसामान्य को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। कलेक्टर ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से प्राथमिकता से अपना आयुष्मान कार्ड बनवाएं। सभी राशन कार्डधारियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि परिवार के सभी सदस्यों का अलग-अलग आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। आयुष्मान जन आरोग्य योजना अंतर्गत पात्र बीपीएल परिवारों को 5 लाख रुपए व शेष परिवार अर्थात एपीएल परिवारों को डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत 50 हजार रुपए तक का लाभ योजना के दिशा-निर्देशानुसार योजनांतर्गत पंजीकृत किसी भी शासकीय व निजी चिकित्सालय में आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

विज्ञान महाविद्यालय में रोल ऑफ कालेज लायब्रेरी इन टीचिंग, लर्निंग एण्ड रिसर्च विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महाविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विभाग एवं केन्द्रीय पुस्तकालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 26 एवं 27 जून 2023 को रोल ऑफ कालेज लायब्रेरी इन टीचिंग, लर्निंग एण्ड रिसर्च विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आई.आई.टी, दिल्ली के पुस्तकालयाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष डॉ नबी हसन सम्मिलित हुये एवं अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर. एन. सिंह ने की।

डा नबी हसन ने अपने उदबोधन में कहा कि पुस्तकालयों के माध्यम से षिक्षण, अध्यापन एवं अनुसंधान कार्यो को पूर्ण करने हेतु वर्तमान में सूचना तकनीकि का महत्व बढ़ गया है। उन्होने आई.आई. टी. दिल्ली की पुस्तकालय एवं सूचना सेवाओं की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर. एन. ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुये महाविद्यालय पुस्तकालय की सूचना सेवाओं को उत्तम बनाने हेतु आवश्यक बातों पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के संयोजक डॉ राजेन्द्र चैबे ने महाविद्यालय पुस्तकालयों के बदलते स्वरूप को पाठको हेतु उपयोगी बताया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिवस महाविद्यालय पुस्तकालयों की भूमिका पर विद्वानों के द्वारा सारगर्भित चर्चा की गई। प्रथम सत्र में डॉ नबी हसन ने पुस्तकालयों में आधुनिकतम तकनीकि एवं ओपेन सोर्स सूचना स्त्रोतों की उपयोगिता एवं प्रदर्षन हेतु महत्वूपर्ण सुझाव दिये। कलिंगा विष्वविद्यालय, रायपुर से पधारे वक्ता डॉ सुषांत साहू ने प्रतिभागियों को पुस्तकालय सेवाओं को उत्कृष्ट बनाने हेतु उत्प्रेरक व्याख्यान दिया। विक्रम विष्वविद्यालय उज्जैन से पधारे वक्ता डॉ राज बोरिया ने अपने व्याख्यान में पुस्तकालय उन्मुखीकरण एवं उपयोगकर्ता षिक्षण पर सारगर्भित जानकारी दी। प्रथम दिवस के अंतिम सत्र में पांच प्रतिभागियों अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। संगोष्ठी के द्वितीय दिवस आरंभिक सत्र में भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर मुबंई से पधारे वक्ता डॉ अनिल कुमार ने बार्क की सेवाओं की जानकारी के साथ-साथ इनकी उपलब्धता एवं उपयोगिता को बताया। द्वितीय सत्र में बाबा साहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विष्वविद्यालय औरंगाबाद से पधारे वक्ता डॉ सुषांत एस. सोनवाने ने अपने व्याख्यान में संस्थानों एवं पुस्तकालय की वेबसाईट को उनका दर्पण बताया एवं अपने अध्ययन के आधार पर बाता कि भारत में इन संस्थानों के द्वारा वेबसाईट को अद्यतन करने वालो का प्रतिषत मात्र पांच है। संगोष्ठी के सत्र में डॉ सी. वी. रामन् विष्वविद्यालय की डॉ संगीता सिंह ने अपने व्याख्यान में पुस्तकालय के सूचना स्त्रोतों को उपयोगिता बढ़ाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिये। संगोष्ठी के अंतिम सत्र में पांच प्रतिभागियों अपने शोध पत्रों को प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के समापन सत्र के मुख्य अतिथि शासकीय दानवीर तुलाराम कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजेष पाण्डेय का स्वागत महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ एस. एन. झा एवं अन्य प्राध्यपकों ने किया।

भिलाई चेम्बर ने किया इंश्योरेंस की भूमिका पर कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कामर्स भिलाई इकाई व्यापारियों को जागरूक करने अलग अलग तरह की कार्यशाला का आयोजन करती है। इसी कड़ी में भिलाई चेम्बर द्वारा उद्योग व व्यापार में इंश्योरेंस की भूमिका पर एक कार्यशाला आयोजित की।

इस कार्यशाला में मुंबई से इंश्योरेंस क्षेत्र के विशेषज्ञ आये और उन्होंने बताया कि उद्योग में घटना दुर्घटना के समय उद्योग के लिए कौन से इंश्योरेंस प्लान अच्छे है जो उन परिस्थितियों में उद्योगपतियो को आर्थिक परेशानी से निजात दिला सकते है। कार्यक्रम में महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि आज इंश्योरेंस को लेकर व्यापारियों में जागरूकता की कमी देखी गई है। अधिकांश व्यापारी अपने दुकान के स्टाफ का इंश्योरेंस नही करवाते है। जिस वजह से उन्हें दुर्घटना के समय मानसिक व आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसी बात को जागरूक करने मुंबई की टीम को आमंत्रित किया गया है। भिलाई अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने आयोजन को व्यापारियों के लिए बेहद जरुरी व आवश्यक बताया। मुम्बई से आमंत्रित वक्ता सनी भाटिया, सौमिल परोनिगर, स्वपनिल शर्मा व अहमदाबाद से जसवंत सिंह ने सभी व्यापारियों को इंश्योरेंस के प्रति जागरूक किया। भिलाई के अलावा दुर्ग चेम्बर से भी पदाधिकारी उपस्थित हुए। महिला चेम्बर भिलाई की पूरी टीम, उद्योग चेम्बर के पदाधिकारी व भिलाई चेम्बर के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

नारायणपुर को देश के आकांक्षी जिलों में मिला दूसरा स्थानः जल जीवन सर्वेक्षण 2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन

नारायणपुर। जल जीवन सर्वेक्षण 2023 में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले ने देश के 43 आकांक्षी जिलों में दूसरा स्थान हासिल किया है। नारायणपुर जिले को यह गौरवपूर्ण रैंकिंग बीते छह माह के दौरान जल जीवन मिशन के कार्यों के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए मिली है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने नारायणपुर जिले की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए जल जीवन मिशन के कार्यों के क्रियान्वयन में जुटे सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी है। गौरतलब है कि एक अक्टूबर 2022 से 31 मार्च 2023 तक हुए जल-जीवन सर्वेक्षण 2023 में नारायणपुर को देश के आकांक्षी जिलों में दूसरा स्थान मिला है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों को तेजी से पूरा कराया जा रहा है। आकांक्षी जिले के रूप नारायणपुर को मिली यह उपलब्धि प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

कबाड़ियों की गिरफ्तारी पुलिस पर पड़ गई भारी

हाईकोर्ट के आदेश ने निकाली पुलिस की हवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में कबाड़ का व्यापार करने वालों पर कार्रवाई करने में पुलिस विभाग सबसे आगे रहता है। खासकर जिले में जब भी नया एसपी पदभार ग्रहण करता है तो उसका टारगेट पहले कबाड़ का व्यापार करने वाले ही होते हैं। पिछले दिनों दुर्ग में भी नए एसपी ने पदभार ग्रहण करने के बाद सभी थानों की पुलिस को कबाड़ियों के पीछे लगा दिया। बहरहाल हम यहां बात कर रहे हैं कोरबा के एक मामले की जिसमें कबाड़ का व्यापार करने वाले दो लोगों पर कार्रवाई करना पुलिस पर ही भारी पड़ गया। बिलासपुर हाईकोर्ट ने इस मामले में पुलिस को कबाड़ का व्यापार करने वाले दोनों को एक-एक लाख रुपए क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया है।

दरअसल यह पूरा मामला कोरबा शहर से जुड़ा हुआ है। कोरबा के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के कबाड़ व्यापारी मुकेश साहू और आशीष मैती को पुलिस ने 20 फरवरी 2021 में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उस समय इन दोनों को चोरी का सामान खरीदने के आरोप में तत्कालीन चौकी प्रभारी कृष्णा साहू ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। इसके बाद दोनों ने जमानत के लिए आवेदन प्रस्तुत किया लेकिन निचली अदालत ने इनकी जमानत याचिका खारिज कर दी।

इसके बाद दोनों ने हाईकोर्ट में जमानत के लिए यात्रिका दायर की। दोनों को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी। इसके बाद मुकेश साहू और आशीष मैती ने हाईकोर्ट में धारा 226 के तहत डब्ल्यूपीसीआर याचिका दायर कर दी। इन्होंने अपनी याचिका में कहा कि पुलिस ने मनमाने और अवैधानिक तरीके से गिरफ्तारी की है। पुलिस ने चोरी का समान रखने और बिक्री करने का आरोप लगाकर बिना वारंट के गिरफ्तार कर मानसिक और शारीरक प्रताड़ना दी है। इसके लिए दोनों ने 5-5 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति की मांग की।

हाईकोर्ट ने याचिका में उल्लेखित बातों को स्वीकार किया और माना कि कार्रवाई से सविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन हुआ है। कोर्ट ने राज्य भर में ज्यूडिश्यिल मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करने की बात अपने आदेश में कही है। साथ ही हिदायत दी गई है कि इसका पालन कड़ाई से किया जाए। इस मामले पर फैसला देते हुए हाईकोर्ट के चीफ रमेश सिन्हा की बेंच ने क्षतिपूर्ति के तौर पर एक-एक लाख रुपए प्रदान करने का आदेश दिया है।

चौकी प्रभारी भी बना पार्टी

दोनों ने अपनी याचिका में तत्कालीन चौकी प्रभारी कृष्णा साहू को भी पार्टी बनाया गया था। याचिका में खास तौर पर इस बात को उल्लेखित किया गया कि सेक्शन 41 (1) (डी) के तहत किसी मामले में गिरफ्तारी होने पर पुलिस को यह पता लगाना होता है कि यह संपत्ति चोरी की है तो किसकी है और कहां से है। ऐसा नहीं होने पर जब्त सामान और पकड़े गए लोगों को छोड़ना होता है। पुलिस इस मामले में कोई भी जानकारी नहीं हासिल कर सकी। इसके बाद भी कबाड़ कारोबारियों को रिमांड पर लिया गया और बाद में जेल भेज दिया गया।

पिकअप और बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हादसे में एक युवक की मौत, 3 युवतियां घायल

कबीरधाम (ए)। जिले के भाजी डोंगरी गांव के पास गुरुवार शाम हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, वहीं 3 लड़कियां गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला कुकदूर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, एक ही बाइक पर 4 लोग सवार थे। बाइक पर ग्राम पौनी निवासी धर्मेंद्र साहू, माया बैगा, फुलबती और उर्मिला सवार थीं। बाइक (क्रमांक CG 04 NU 7321) को धर्मेंद्र चला रहा था। ये सभी पंडरिया कॉलेज में एडमिशन कराने के लिए गए थे। वहां से लौटते समय ग्राम भाजी डोंगरी के पास तेज रफ्तार पिकअप (क्रमांक CG 09 JD 8331) के साथ उनकी बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।

इधर पिकअप चालक भी बाइक सवारों को बचाने की कोशिश में गाड़ी पर नियंत्रण नहीं रख सका। टक्कर के बाद पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। पिकअप के साथ जोरदार टक्कर में बाइक सवार धर्मेंद्र साहू की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं तीनों युवतियां माया बैगा, फुलबती और उर्मिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सूचना पर मौके पर पहुंची कुकदूर थाना पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया, वहीं तीनों घायल युवतियों को इलाज के लिए पंडरिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि पिकअप ड्राइवर फरार हो गया है, जिसकी तलाश की जा रही है।

वहीं पिकअप को जब्त कर थाने लाया गया है। हादसे में बाइक क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिस ने कहा कि मृतक और घायलों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक/दो/स.वि./2023/976/171   भिलाई, दिनांक 27/06/2023

//नामांतरण सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले समस्त हितग्राहियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित हस्तान्तरिती के नाम से हस्तांतरण करने मे यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

क्र	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तातरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	के वेंकर राव पिता स्व के चंदराव नि. LIG 25/3,4 जवाहर नगर भिलाई	जतिन प्रकाश धवन आ. सुशील प्रकाश नि. LIG 25/16 जवाहर नगर भिलाई	बिक्रीनामा	जवाहर नगर आ0 यो0 ब्लाक क्र0 25 भूखंड क्र0 04 आकार 40.5 व0मी0
2	के वेंकर राव पिता स्व के चंदराव नि. LIG 25/3,4 जवाहर नगर भिलाई	जतिन प्रकाश धवन आ. सुशील प्रकाश नि. LIG 25/16 जवाहर नगर भिलाई	बिक्रीनामा	जवाहर नगर आ0 यो0 ब्लाक क्र0 25 भूखंड क्र0 03 आकार 40.5 व0मी0
3	चन्द्रशेखर सिंह आ. दिनेश प्रसाद सिंह नि:- बापू नगर जोन 02 खुर्सीपर	दीपक कुमार सिंह आ. प्रमोद सिंह नि:- बापू नगर जोन 02	बिक्रीनामा	बापू नगर जोन 02 खुर्सीपार आ0 यो0 व्यवस्थापन आकार 62.83 व0मी
4	श्रीमती संतोष आहुजा पति स्व देव प्रकाश आहुजा नि:- 3/13 नेहरू नगर पूर्व, भिलाई	1. विनती मोदी पति आशीष मोदी 2. दर्शना मोदी जैन पति महेन्द्र मोदी जैन नि:- शॅाप न. 63, सी मार्केट से 01	बिक्रीनामा	मो.ने.न पूर्व आ. यो. ब्लाक क्र 03 भूखण्ड 13 आकार 360व0मी0
05	स्व0 गोविन्द प्रसाद गुप्ता आ. स्व विश्वनाथ गुप्ता नि:- 82/3 मो.ने.न पूर्व भिलाई	1. अर्चना गुप्ता पति स्व0 गोविन्द प्रसाद गुप्ता 2 विजेन्द्र शिवानी आ. स्व0 गोविन्द प्रसाद गुप्ता 3 शिवेन्द शिवानी आ. स्व0 गोविन्द प्रसाद गुप्ता 4 श्वेता शिवानी आ. स्व0 गोविन्द प्रसाद गुप्ता 5 शुभा सिवानी आ. स्व0 गोविन्द प्रसाद गुप्ता नि:- 82/3 मो.ने.न पूर्व भिलाई	वारिसान	मो. ने. न. पूर्व आ0यो0 ब्लाक क्र 82 भूखण्ड 03 आकार 1500व0फु0
6	हरमीत कौर अरोरा पति जसवीर सिंह अरोरा नि: 1/3 शिवाजी नगर न्यू खुर्सीपार	अल्पना गोप पति संजय गोप नि:- 51/ 10 ने. न. पूर्व	बिक्रीनामा	ने.न. पूर्व आ0 सह व्य0 भूखण्ड क्र 58 आकार 93.75 व0मी0
7	हरदेव सिंह आ0 स्व. निरंजन सिंह नि:- नदिनी रोड कोहका माईनर पूर्व	विपिन यादव आ0 टी.एन यादव नि: पुलिस लाईन थाना छावनी प0 हा0	बिक्रीनामा	नंदिनी रोड कोहका माईनर पूर्व व्या0 व्यवस्थापन आकार 1402.06 व0फु0
8	स्व0 लक्ष्मी नारायण गुप्ता आ0 स्व0 गोपाल दास नि: शिवाजी चौक मटन मार्केट रोड, शासकीय स्कूल के सामने सुपेला	1 कस्तुरबा देवी गुप्ता पति स्व0 लक्ष्मी नारायण गुप्ता 2 राधा रानी गुप्ता पति स्व0 चंद्रशेखर गुप्ता 3सुनील गुप्ता आ0 स्व0 चंद्रशेखर गुप्ता 4 वर्षा गुप्ता आ0 स्व चंद्रशेखर गुप्ता 5निकेता गुप्ता आ0स्व0 चंद्रशेखर गुप्ता सभी नि:- शिवाजी चौक मटन मार्केट रोड, शासकीय स्कूल के सामने सुपेला	वारिसान	मटन मार्केट रोड भूखण्ड क्र 07 आकार 660 व0फु0
9	स्व0 शारदा प्रसाद मिश्रा आ0 स्व0 दाता राम मिश्रा नि: विला नं. सी -218 आम्रपाली वनांचल सिटी गौरव पथ रोड , भिलाई	संस्कार मिश्रा आ. सोमदन मिश्रा नि:- विला नं. सी -218 आम्रपाली वनांचल सिटी गौरव पथ रोड , भिलाई	वारिसान	सुपेला मार्केट व्या0 व्यो0 29/05 आकार 720 व0फु0
10	स्व0 वी वी सोमयाजुलू आ0,स्व, व्ही, व्ही, नरसिम्हा नि:, म.न. बी- 83 प्रियदर्शनी परि, रिसाली भिलाई	1. वडलमानी वेंकर लक्ष्मी पति स्व0 वी.वी.सोमयाजुलू 2 वी.वी. एस एन लक्ष्मी आ0 स्व वी.वी. सोमयाजुलू 3वी.वी. श्यान प्रसाद आ स्व वी.वी सोमयाजुंलू 4 कर्री सरस्वती आ. स्व. वी. वी. सोमयाजुलू नि:-:, म. न. बी- 83 प्रियदर्शनी परि, रिसाली भिलाई	वारिसान	राधिका नगर आ0 यो0 भूखण्ड 53/12 आकार 216 व0मी0
11	दिनेश कुमार साहू आ0. जुगल किशोर साहू की ओर से आम.मु. मनोज अग्रवाल आ0 बनवारी लाल अग्रवाल नि: 47ए /10 नेहरू न. प. भिलाई	सुमित सिंह पवार आ0 लिलेश्वर सिंह पवार नि क्वा. नं. 1 सी, सडक 34 ,से 06	बिक्रीनामा	मो.ने.न.पं. आ. मो. 48 / 11 216 व0मी0
12	स्व पूरन लाल तिवारी आ0 स्व0 के पी तिवारी नि: क्वा नं. 4/बी सड़क 15 बी से 02	1 गोपाल प्रसाद तिवारी आ0 स्व0 पूरनलाल तिवारी निवासी - 4/बी सड़क 15 बी से 02 2 मदनलाल तिवारी आ0 स्व0 पूरनलाल तिवारी नि: वार्ड 17 पिपरिया कला. सिवनी म.प्र.	वारिसान	शीतला कॉम्पलेक्स व्या0 परि0 सी /01 7.69 व0 मी0
13	स्व. एस आर . मण्डल आ. सुरेश चंद्र मण्डल नि: 13/20 ने.न. पूर्व	1 सती मण्डल पति स्व . एस. आर. मण्डल 2 सुदीप्तो रंजन मंडल आ0 स्व0 एस. आर. मण्डल नि:-13/20 ने.न. पूर्व	वारिसान	मो.ने.नं. 13/20 एवं अतिरिक्त आकार 360 व0मी एव अतिरिक्त 151 व0मी
14	राजू साहू आ. नंदू साहू की तरफ से आम.मु. एस. अब्दुल हफीज आ. अब्दुल रहमान नि: जे - 41 शास्त्री नगर वार्ड 18 , केम्प 02	तबरेज अहमद खान आ. स्व. उसमान खान नि: 6- ए,सड़क नं. 23, से 02 भिलाई	बिक्रीनामा	महात्मा गांधी मार्केट व्या0 04/04 आकार 15 व0 मी0
15	स्व0 पुष्पा देवी आत्मजा स्व सरजू प्रसाद नि: EWS1829 हा. बो . आद्योगिक क्षेत्र भिलाई	1 शत्रुहन केशरवानी आ. स्व छेदीलाल केशरवानी 2 आजाद केशरवानी आ. शत्रुहन केशरवानी दोनो नि: EWS1829 हा. बो . आद्योगिक क्षेत्र भिलाई	वारिसान	मदर टेरेसा नगर आ. यो. 41/05 आकार 135 व0मी0

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम
भिलाई

खास-खबर

कोरबा में 50 लाख का गांजा खपाने से पहले ही पकड़े गए

कोरबा (ए)। सारंगढ़ जिले की पुलिस ने नाकाबंदी कर वाहनों की जांच के दौरान एक कार की डिक्की से 50 पैकेट गांजा बरामद किया है। जिसे 5 प्लास्टिक की बोरी से कवर किया गया था। पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़े तीन आरोपी कोरबा जिले के रहने वाले हैं। पकड़े गए आरोपियों में करतला थाना क्षेत्र के नोनबिर्रा निवासी मनोज कुमार केंवट (35) पिता उदल राम, बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र के सुमेंधा निवासी सेतराम सन्डेल (52) पिता दौलत राम व कटघोरा थाना क्षेत्र के कटोरी नगोई नवासी गोकुल सिंह नायक (23) पिता जगतराम नायक शामिल है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि गांजा को कोरबा में खपाने की तैयारी थी। जब्त गांजा की कीमत 50 लाख रुपए आंकी गई है। बता दें कि इसके पहले भी रायगढ़ की ओर से गांजा कोरबा जिले में खपाने निकले तस्करों पर कार्रवाई हो चुकी है।

हिरण को कुत्तों ने हमला कर किया घायल, इलाज के दौरान हुई मौत

कोरबा (ए)। वन मंडल कोरबा के कोरकोमा सर्किल में कुत्तों के हमले से घायल हिरण की इलाज के दौरान मौत हो गई। ग्राम बताती के पास जंगल किनारे घूम रहे हिरण को कुत्तों ने दौड़ाकर हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गया था। लेकिन इलाज के बाद भी उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। ग्रामीणों ने बताया कि आसपास के जंगल में बड़ी संख्या में हिरण और कोटरी का झुंड रहता है। भोजन की तलाश में आबादी क्षेत्र में पहुंच जाते हैं। कुत्तों ने जब हिरण पर हमला किया तो ग्रामीणों ने ही उसे बचाया। इसके बाद डिप्टी रेंजर जितेंद्र केसरवानी को इसकी सूचना दी। उन्होंने पशु चिकित्सक से इलाज कराया लेकिन जान नहीं बची। हिरण का पोस्टमार्टम करने के बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया।

बर्थडे पार्टी में हुई चाकूबाजी: जीजा और साले पर नशेड़ी युवकों ने किया जानलेवा हमला, 2 आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर (ए)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर शहर के एक वार्ड में चल रही बर्थडे पार्टी में चाकूबाजी हुई है। इलाके के ही रहने वाले दो नशेड़ी युवकों ने किसी बात को लेकर जीजा और साले पर चाकू से हमला कर दिया है। इस वारदात में दोनों को चोटें आईं हैं। इस जनलेवा हमले की थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हें कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया गया है। मामला जिले के बोधघाट थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, नगर निगम क्षेत्र के महेंद्र कर्मा वार्ड कन्नू गली के रहने वाले डी जगदीश राव अपनी बेटी का बर्थडे मना रहे थे। इस दौरान उसी इलाके का रहने वाला एक युवक घनश्याम उर्फ टुल्लू अपने दोस्त विक्की के साथ मौके पर पहुंच गया। दोनों नशे में चूर थे। जिसके बाद इन्होंने किसी बात को लेकर डी जगदीश राव से गाली गलौच करनी शुरू कर दी। इतने में

डी जगदीश राव का साला टी वेंकटेश भी पहुंच गया। जब उनसे पूछा गया कि, विवाद क्यों कर रहे हो उतने में ही उन्होंने अपने पास रखे चाकू से जीजा और साला दोनों पर हमला कर दिया। वारदात के बाद दोनों मौके से भाग निकले। नशेड़ियों के हमले से दोनों घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल लाया गया। फिर इस मामले की सूचना पुलिस को दी गई। जिसके बाद बोधघाट थाना के जवानों ने दोनों ही युवकों की पुलिस ने तलाशी शुरू की। जिन्हें शहर के ही एक ठिकाने से पकड़ लिया गया।

SP जितेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि, शहर में बढ़ते अपराध को रोकने पुलिस हमेशा तत्पर है। साथ ही अपराधियों पर शिकंजा कसा जा रहा है। चाकू से हमले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपियों की खोजबीन शुरू की और उन्हें पकड़ कर सलाखों के पीछे डाल दिया गया है।

इससे पहले भी आ चुके हैं ऐसे मामले

दरअसल, इससे पहले भी जगदलपुर में चाकूबाजी की वारदात हो चुकी है। कुछ महीने पहले नशेड़ियों ने एक पत्रकार पर जानलेवा हमला किया था। चाकू की नोक पर लूटपाट भी की थी। हालांकि, पुलिस ने इस वारदात में शामिल ओपियों को पकड़ लिया था।

दो हजार रुपए की गड्डियों के साथ नक्सल सहयोगी गिरफ्तार, बैंक में जमा करने पहुंचा था आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। दो हजार रुपए के नोटों को सरकार ने जब से बंद करने की घोषणा की है तब से बैंकों में लोग अपने पास रखे नोट जमा करने में लगे हुए हैं। आम लोगों के साथ ही नक्सलियों द्वारा भी बड़ी मात्रा में दो-दो हजार रुपए के नोट निकालने में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में बीजापुर में नक्सलियों के दो-दो हजार रुपये के नोटों को बैंक में जमा करने आये एक सहयोगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नक्सल सहयोगी के पास से छह लाख 20 हजार रुपए बरामद किए हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आवापल्ली थाना क्षेत्र से एक व्यक्ति मोटर साइकिल से नक्सलियों का पैसा जमा कराने आवापल्ली आ रहा है जिसके पास 2 हजार रुपये के नोट भारी संख्या में हैं। सूचना के बाद बुधवार को आवपल्ली पुलिस और सीआरपीएफ229 बटालियन सी कंपनी की संयुक्त टीम ने

तालपेरु पेट्रोल पम्प के पास एमसीपी की कार्रवाई की।

इस दौरान मुखबिर की निशानदेही पर मोटर साइकिल से आते हुए व्यक्ति को रोककर पूछताछ की गई। पुलिस पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम महेश बाड़से (24) निवासी मुरदण्डा कोमठगुड़ा थाना आवापल्ली बताया। इसकी मोटर साइकिल की टंकी में लगे बैग में 1 सफेद रंग की पॉलीथिन से 2000-2000 रुपए की 3 गड्डी व 10 नोट अलग से मिले। इस प्रकार कुल 6 लाख 20 हजार रुपए के साथ ही प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के पर्चे बरामद किए गए। आरोपी ने बताया कि वह रुपए अलग अलग खातों में जमा करने के बाद उसे निकाल कर वापस कर देगा।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023 में सफल अभ्यर्थियों को प्रोत्साहन राशि

दुर्ग। शासन द्वारा संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में सफ्लता हेतु प्रोत्साहन योजना (यथा संशोधित) वर्ष 2010 के अंतर्गत प्रदेश के अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों को संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में सफ्लता प्राप्त करने पर राशि एक लाख रूपए प्रोत्साहन राशि दिए जाने प्रावधान अंतर्गत पात्र अभ्यर्थियों से 11 जुलाई 2023 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गये है। पात्रता शर्ते तथा आवेदन पत्र का प्रारूप आदिमजाति कल्याण विभाग की वेबसाईट 222.tribal.cg.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त से मिली जानकारी अनुसार इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र आयुक्त, आदिम जाति तथा अनु. जाति विकास, ब्लाक डी, भूतल, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.) में निर्धारित तिथि 11 जुलाई 2023 तक जमा कर पावती प्राप्त कर सकते है।

बीएसपी कर्मी के बेटे संजीत धर का बार्क में हुआ चयन

भिलाई। बीएसपी के परियोजना (प्रोजेक्ट) विभाग में सेक्सन ऑफ्सिर के पद पर कार्यरत सुजीत धर एवं बोरई दुर्ग के नवोदय स्कूल में व्याख्याता के पद पर कार्यरत श्रीमती तंद्रा धर के सुपुत्र संजीत धर का चयन मुम्बई स्थित भाभा परमाणु अनुसन्धान केंद्र (ठ ात्ब) में मेटलर्जिकल इंजीनियर के पद पर हुआ है। संजीत धर ने इस परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। संजीत इस वर्ष बार्क (ठ ात्ब) में मेटलर्जिकल इंजीनियर के पद हेतु होने वाले परीक्षा में छत्तीसगढ़ के एकलौते चयनित व्यक्ति हैं। संजीत धर की प्रारंभिक शिक्षा डीपीएस भिलाई में हुई। इसके बाद इन्होंने एनआईटी रायपुर से बी टेक की उपाधि ली। उनकी इस उपलब्ध्‍ि के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

तिथि बढ़ाईः साइंस कॉलेज में प्रवेश शुल्क 5 तक जमा होंगे

भिलाई। बीए, बीकॉम, बीएससी समेत सभी स्नातक पाठ्यक्रम की प्रथम और द्वितीय सूची साइंस कॉलेज में निकाल दी गई है। इसके लिए पहले प्रवेश की अंतिम तिथि 30 जून घोषित की गई थी। संस्था के प्राचार्य डॉ. आरएन सिंह ने बताया कि अभी तक स्कूलों से बच्चों को न तो अंक सूची मिली है और न ही चरित्र और स्थानांतरण प्रमाण पत्र। इसकी वजह से प्रवेश लेने की तिथि 5 जुलाई तक बढ़ाई गई है। 5 जुलाई तक विद्यार्थियों को शुल्क जमा करना होगा। इसके बाद आने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। एक जुलाई से स्नातक अंतिम और स्नातकोत्तर के तीसरे सेमेस्टर की, 15 जुलाई से स्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। द्वितीय वर्ष की पढ़ाई 23 जुलाई से शुरू होगी। साइंस कॉलेज में ही संगीत महाविद्यालय का संचालन नए शिक्षा सत्र से शुरू किया जा रहा है। इसमें बेचलर ऑफ परफार्मिंग आर्ट (बीपीए) डिग्री कोर्स शुरू किया जा रहा है। यह इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय से संबद्ध होगा।

दीपशिखा विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान हुआ

दुर्ग। दीपशिखा विद्यालय डुमरडीह में बोर्ड परीक्षा कक्षा 10वीं एवं 12वीं में विद्यालय स्तर पर मेरिट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के भूतपूर्व छात्रा एवं कक्षा 12वीं की प्रथम बैच में टॉपर रही श्रीमती शशि साहू उपस्थित रही। जो वर्तमान में राजनांदगांव जिला में एरिया कोऑर्डिनेटर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के पद पर कार्यरत हैं।

ईद पर कुर्बानी का सिलसिला शुरू, दुआओं में उठे हाथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कुर्बानी के जज्बे के साथ ईद उल अजहा की शुरुआत गुरुवार से हुई। तीन दिनों तक हैसियत के मुताबिक मुस्लिम समुदाय के लोग बकरों की कुर्बानी करेंगे। पहले दिन ईदुलअजहा की नमाज शहर के तमाम ईदगाह व मस्जिदों में सुबह पढ़ाई गई। जिसमें बड़ी तादाद में लोग शामिल हुए। नमाज के बाद समाज के सभी समुदाय के लोगों ने मुस्लिम भाईयों को गले मिल कर मुबारकबाद दी।

शहर में जामा मस्जिद सेक्टर-6 के ईदगाह,ईदगाह लाल मैदान बाबा फरीद नगर, शेर-ए-खुदा ईदगाह ईद मिलन ग्राउंड हाउसिंग बोर्ड, रजा जामा मस्जिद लिंक रोड कैंप-2, गौसिया मस्जिद कैम्प-1, हजरत बिलाल मस्जिद हुडको, ईदगाह व मस्जिद रिसाली, मस्जिद-मदरसा रूआबांधा, अक्सा मस्जिद गफ्फार कॉलोनी छावनी,मदनी मस्जिद खुर्सीपार, अशरफी मस्जिद जोन-3 खुर्सीपार, ईदगाह भिलाई तीन, नूरी मस्जिद नंदिनी, गौसिया मस्जिद अहिवारा, गौसिया रिजविया मस्जिद चरोदा और हुसैनिया मस्जिद करबला मैदान जीई रोड सहित तमाम मस्जिदों व ईदगाहों में सुबह ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई।

जामा मस्जिद सेक्टर-6 के इमाम इकबाल अंजुम हैदर हज के लिए गए हुए हैं और उनकी जगह ईदगाह में इमाम शान मुहम्मद ने नमाज अदा करवाई। नमाज के बाद भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सेक्रेट्री अरमान बेग अपनी रिपोर्ट पेश की। खुत्बे के बाद मुल्क में अमन व सलामती के लिए दुआओं में हाथ उठे। ईदगाह में मौजूदा विधायक देवेंद्र यादव व पूर्व विधायक बदरुद्दीन कुरैशी और कांग्रेस प्रतिनिधि समयलाल साहू सहित समाज के विभिन्न प्रतिनिधियों ने पहुंच कर ईद की मुबारकबाद पेश की।

इसके साथ ही गुरुवार से कुर्बानी का सिलसिला शुरू हो गया जो एक जुलाई तक चलेगा। लोग अपनी हैसियत के मुताबिक बकरों की कुर्बानी दे रहे हैं। शहर में कुर्बानी के लिए खास इंतजाम भी लोगों ने कर रखें हैं।

ईद उल अजहा के मौके पर मक्का मुअज्जमा में हज पूरा होने पर सभी लोगों ने दुआएं की। खास तौर पर भिलाई से गए हाजियों ने अपने-अपने परिवार में फोन-वीडियो कॉल कर हज पूरा होने की जानकारी दी और दुआओं की अपील भी की। ईद की नमाज के मौके पर भिलाई में तमाम मस्जिदों व ईदगाहों में हज पूरा होने पर हाजियों को मुबारकबाद पेश की गई।

ईद-उल-अजहा पर मर्कज़ी मस्जिद पावर हाउस कैंप-2 में हाफ्जि कासिम ने नमाज अदा करवाई। नमाज के बाद लोगों को खिताब करते हुए मौलाना इनामुल हक ने कहा- लोगों अल्लाह ने इंसानियत का सबक दिया है इसलिए लोगों को कुर्बानी के मरहले से गुजारा और इसका हुक्म दिया है। शहर काजी मुफ्ती सोहेल ने कहा कि अल्लाह की राह में हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने अपनी इकलौती औलाद हजरत इस्माइल को कुर्बान करने के हुक्म को पूरा किया। जिस पर अल्लाह ने उनके अंदर के जज्बात को देखा और यह सुन्नत (अनुसरण) हमेशा के लिए पसंद फ़रमाई है। इस वक्त हमें अपने जानवरों की कुर्बानी कर हुक्म पूरा करने की जिम्मेदारी है।

प्लेट मिल में आपदा प्रबंधन अभ्यास हेतु मॉक ड्रिल का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लेट मिल विभाग में आपदा प्रबंधन को मजबूती प्रदान करने हेतु दुर्घटना के दौरान बचाव कार्य से लेकर दुर्घटना पर काबू पाने जैसे कार्यों को मॉक ड्रिल के माध्यम से बखूबी अंजाम देते हुए योजनाबद्ध अभ्यास को पूर्ण किया गया।

विदित हो कि प्रत्येक विभाग में आकस्मिक आपदा से निपटने हेतु प्रोटोकॉल बनाये गए हैं। इस प्रोटोकॉल के जांच हेतु समय-समय पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाता है और साथ ही इस मॉक ड्रिल की गोपनीयता बनाये रखी जाती है जिससे कि घटना की गंभीरता को प्रोटोकॉल के अनुरूप की जाने वाली कार्यवाही को सही रूप में परखा जा सके। इस अभ्यास के दौरान बीएसपी के सीआईएसएफ अग्निशामक दल, सेफ्टी इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, एमएमपी-1, नागरिक सुरक्षा, गैस सुरक्षा तथा प्लेट मिल के कार्मिकों व अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाते हुए मॉक ड्रिल में भाग लिया।

इस डिज़ास्टर मैनेजमेंट के अभ्यास के तहत ऑपरेशन अनुभाग के दो व्यक्ति लोकेश कुमार अंबरडे (एसीटी) और राजेश कुमार सिंह, रिहीटिंग फर्नेस नंबर-3 के सामान्य निरीक्षण के लिए गए। भट्ठी को गर्म करने के लिए उपयोग किए जाने वाले वाल्व से गैस के रिसाव के कारण अचानक राजेश कुमार सिंह को बेचैनी महसूस हुई और वे वही बेहोश हो गए। लोकेश कुमार अंबरडे बाहर आए और बचाव के लिए आवाज लगायी। श्री लोकेश कुमार अंबरडे ने बचाव कार्य के लिए आवाज लगाई और प्लेट मिल के शिफ्ट इंचार्ज एन के बिसेन को सूचित किया।

इंटकवेल के सायफन में फंसा कचरा, 6 घंटे बाद निकल पाया

दुर्ग। 24 एमएलडी फिल्टर प्लांट के इंटकवेल के सायफन में कचरा फंसने की वजह से गुरुवार को पूरे दिन पेयजल आपूर्ति प्रभावित रही। पद्मनाभपुर, बोरसी, शंकर नगर, शनिचरी बाजार सहित अन्य हिस्सों के करीब 10 हजार घरों में पानी सप्लाई नहीं हो सकी। बुधवार की सुबह से ही निगम का जलकार्य विभाग सायफन से कचरा निकालने जुटा रहा। इस दौरान एसडीआरएफकी टीम की भी मदद ली गई। सूचना पर मेयर धीरज बाकलीवाल, आयुक्त लोकेश चंद्राकर, जलकार्य प्रभारी संजय कोहले, मनदीप भाटिया सहित अन्य मौके पर पहुंचे। महापौर स्वयं सायफन वाले स्थल तक पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। दोपहर 2 बजे के बाद मोटर पंप शुरू हो सके। इसके बाद रॉ वॉटर को फिल्टर प्लांट तक पहुंचाया जा सका। रात करीब 8 बजे टंकियां भरने के बाद कुछ जगहों पर पेयजल आपूर्ति हो सकी। जलकार्य विभाग के अधिकारी मोहित मरकाम ने बताया कि झिल्ली-पन्नी और अन्य कचरा फंसने की वजह से यह दिक्कत सामने आई। इसके अलावा इंटकवेल के आसपास बड़ी मात्रा में जलकुंभी जमा थी।

विस् अध्यक्ष महंत ने दुर्ग विधानसभा में बूथ स्तर पर किया दौरा

कांग्रेस की जीत के लिए कार्यकर्ताओं को दिलाया संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महंत ने गुरुवार को दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के मध्य एवं दक्षिण ब्लॉक के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं एव वरिष्ठ कांग्रेसियों से औचक मुलाकात की व शासन की योजनाओं के विषय मे चर्चा की। महंत सबसे पहले वोरा निवास पहुंचे जिसके बाद उन्होंने दिग्गज कांग्रेसी मोतीलाल वोरा की धर्मपत्नी व विधायक अरुण वोरा की माता श्रीमती शांति वोरा से आशीर्वाद लिया।

वरिष्ठ विधायक अरुण वोरा के साथ मध्य ब्लाक अध्यक्ष अल्ताफ अहमद व दक्षिण ब्लाक अध्यक्ष अजय मिश्र के साथ उन्होंने बूथ कार्यकर्ताओं से सरकार के कामकाज व संगठन की सक्रियता का फीड बैक लिया। महंत ने कार्यकर्ताओं को पूरी सक्रियता से कांग्रेस सरकार की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने एवं पूरे उत्साह से कांग्रेस को जीत दिलाने का संकल्प दिलाया। विधायक वोरा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उन्मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा शासन काल मे दुर्ग शहर विकास से अछूता रहा लेकिन जबसे प्रदेश में बघेल सरकार बनी है तब से अब तक लगभग 700 करोड़ के विकास कार्य दुर्ग शहरी क्षेत्र मे स्वीकृत हुए हैं। सरकार की हर योजना जनभावनाओं के अनुरूप है। वोरा ने अब की बार 75 पार का नारा देकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इस दौरान शहर कांग्रेस के समस्त पदाधिकारी एवं बूथ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जुनवानी आवासीय परिसर में गार्डन का होगा सौंदर्यीकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पं दीनदयाल आवासीय परिसर जुनवानी के रहवासियों से मुलाकात के लिए गुरुवार को राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय पहुंची। इस दौरान लोगों ने शिकायत की कि कॉलोनी में स्ट्रीट लाइट, गार्डन का रखरखाव, सफाई का अभाव है।

साथ ही बारिश के इस मौसम में बिजली के तारों के पास पेड़ों की कटाई के अभाव के चलते बिजली के तारों से चिंगारी उत्पन्न हो रही है। पांडेय ने तत्काल सीएसईबी के अधिकारियों से समस्या का निराकरण करने कहा। महिला की सुरक्षा के लिए नियमित पुलिस गश्त के भी निर्देश दिए। स्थानीय लोगों की मांग पर सूने पड़े गार्डन के सौंदर्यीकरण की घोषणा की। उन्होंने इसके लिए अपनी निधि जारी करने का भरोसा दिलाया। महिलाओं एवं बच्चों के लिए गार्डन में झूला, कुर्सी, गार्डन के चारों तरफ बाउंड्रीवाल की मांग की। इस पर पांडेय ने यथा संभव हर प्रकार से आर्थिक मदद किए जाने का भरोसा दिलाया।

सुरक्षा संवर्धन हेतु सेफ्टी वारियर्स के संग संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सुरक्षा संवर्धन हेतु सेफ्टी वारियर्स के संग संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ बीएसपी के मानव संसाधन विकास केंद्र के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में सेल-बीएसपी के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक एवं अतिरिक्त प्रभार कार्यपालक निदेशक सुब्रत मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक अजय कुमार चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक डॉ अशोक कुमार पंडा, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी समीर स्वरुप तथा मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निषमन सेवाएं) जी पी सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सेफ्टी वारियर्स संकल्पना के प्रणेता एवं मुख्य महाप्रबंधक जी पी सिंह ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये सेफ्टी वारियर्स के उपादेयता व योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 25 अप्रैल 2020 से सेफ्टी वारियर्स की शुरुआत की गई। इसके तहत सुरक्षा के प्रति जागरूक कार्मिक व अधिकारियों ने स्वैच्छिक रूप से सुरक्षा में योगदान देने हेतु आगे आए।

आज पूरे संयंत्र में 73 सेफ्टी वारियर्स स्वैच्छिक योगदान दे रहे हैं। आज सेफ्टी वारियर्स सड़क सुरक्षा से लेकर अनसेफ कंडीशन, अनसेफ एक्ट की रिपोर्टिंग से लेकर सुरक्षा के विभिन्न प्रशिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

संयंत्र में सुरक्षा का एक सकारात्मक वातावरण बनाने में सेफ्टी वारियर्स निरंतर अपना योगदान दे रहे हैं। आज उनके इसी कार्य को सम्मानित करने के लिए तथा बीएसपी में सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए उनके साथ संवाद का यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सेफ्टी वारियर्स के कार्यों के मूल्यांकन हेतु एक मूल्यांकन पद्धति विकसित की गई है। जिससे इनके कार्यों को समुचित सम्मान दिया जा सके आज हम समूह और व्यक्तिगत रूप से बेहतर कार्य करने वाले सेफ्टी वारियर्स का सम्मान करेंगे। मेरा विश्वास है की सेफ्टी वारियर्स भिलाई इस्पात संयंत्र के साथ साथ सम्पूर्ण सेल में सुरक्षा के क्षेत्र में अपने स्वैच्छिक योगदान से एक सुरक्षित कार्य संस्कृति का निर्माण करने में सफ्ल होंगे।

वायर रॉड के लिए हॉट बिलेट आपूर्ति में वृद्धि हेतु चार्जिंग ग्रेट की अतिरिक्त इकाई का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के वायर रॉड मिल में हॉट बिलेट के आपूर्ति में वृद्धि करने के लिए चार्जिंग ग्रेट की अतिरिक्त इकाई का उद्घाटन निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता तथा कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार द्वारा 29 जून 2023 को किया गया। यह उद्घाटन वायर रॉड मिल के एसएमएस-3 बिलेट यार्ड के बे-1 में संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ अशोक कुमार पंडा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांए) डॉ एम रविन्द्रनाथ तथा मुख्य महाप्रबंधक (एमडब्ल्यूआरएम) एम के गोयल सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, अन्य अधिकारीगण एवं कार्मिक भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर सभी को सम्बोधित करते हुए निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कहा कि मेरे लिए इस अतिरिक्त इकाई का उद्घाटन कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि भिलाई इस्पात संयंत्र इस तरह के कई अप्रत्याशित कार्य करता है जो संयंत्र को नयी उपलब्धि प्राप्त करने में मददगार साबित होता है। मैं दावे के साथ कहता हूं कि इस तरह के टीम वर्क को देखकर कोई भी कार्य भिलाई बिरादरी के लिए असम्भव नहीं है। उन्होंने इस कार्य के लिए समस्त भिलाई बिरादरी को बधाई देते हुए कहा कि ये इकाई निश्चित तौर पर एकाधिक लाभ प्रदान करने वाला है। ये लाभ, उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में विभिन्न तरीकों से सहायता प्रदान करेगा। कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार ने इस कार्य को सफ्ल बनाने के लिए सम्मिलित सभी सहयोगी, ठेका श्रमिक से लेकर उच्च अधिकारी तक सभी को शुभकामनायें दी और कहा कि हम सभी को मिलकर ऐसे कार्य करना है कि हमें गर्व महसूस हो कि भारतीय अर्थव्यवस्था में हमारा भी कुछ योगदान है। कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ अशोक कुमार पंडा ने वायर रॉड मिल में हॉट बिलेट के आपूर्ति में वृद्धि हेतु इस अतिरिक्त इकाई को स्थापित करने में विभिन्न विभाग जैसे शॉप मैकेनिकल, शॉप इलेक्ट्रिकल, सिविल, एसएमएस-3 इत्यादि के योगदान के लिए सभी की सराहना की। कहा कि इस चार्जिंग ग्रेट और इन प्रयासों से लाभ भी बहुत शानदार होगा। ज्ञात हो कि इस पूरी इकाई को पूरा करने व स्थापित करने में 101 दिन का समय लगा। इस इकाई का निर्माण आंतरिक संसाधनों से किया गया।

राजेंद्र मारोटी ने लाखों की संपत्ति दान कर सेवा का रचा नया इतिहास

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हर्ष और उल्लास के वातावरण में दानवीर भामाशाह राजेन्द्र मारोटी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कंचन देवी मारोटी को जैन समाज के वरिष्ठ श्रावक श्राविकाओं की विशेष उपस्थिति में में अभिनंदन किया गया श्री ओसवाल पंचायत दुर्ग के अध्यक्ष मदनलाल श्रीश्रीमाल, पूर्व अध्यक्ष गौतम बोथरा संस्था के संरक्षक पारस मल कोठारी के आतिथ्य में आयोजित समारोह में हर्ष हर्ष के जयकारों के साथ तिलक,अक्षत, कुमकुम के साथ तिलक लगाकर जैन ध्वजा ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। सन 1996 से संचालित श्री महावीर धर्मार्थ पैथोलॉजी लैब हम एक्स-रे का संचालन आदिनाथ जैन स्वाध्याय मंडल दुर्ग द्वारा किया जाता रहा है इन 27 वर्षों में सात अध्यक्ष पूर्व अध्यक्षों ने अपनी सेवाएं प्रदान की है 1996 से लगभग 20 लाख पैथोलॉजी जांच और 2 लाख से अधिक एक्सरे की सुविधा का का लाभ दुर्ग और उसके आसपास के ग्रामीण अंचलों ने इस सेवा का लाभ निरंतर लिया है यह जांच लागत मूल्य पर शुरुआत से ही की जाती रही है बाजार में अन्य पैथोलॉजी लैब की तुलना में यहां बहुत ही कम दरों पर यह सुविधा जनमानस को दी जा रही है ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950